Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 302 | शुक्रवार, 06 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

अपना परिवार बचाने का अभियान चला रहे कांग्रेस-सपा: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को किया संबोधित









वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इनका अभियान लोकतंत्र बचाने का नहीं, बल्कि अपना परिवार बचाने की कवायद है। दोनों दल परिवारवादी राजनीति के प्रतीक बन चुके हैं।

एक ही परिवार के लोग अध्यक्ष बनते हैं और उसी परिवार को ढोना इनकी नियति हो गई है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को अविश्वसनीय बनाने का प्रयास कर रही है। चुनाव जीतने पर अपना पुरुषार्थ बताने वाले कांग्रेस नेता हारते ही ईवीएम, निर्वाचन आयोग और एसआईआर को दोष देने लगते हैं।

अपनी नाकामियों पर आत्ममंथन करने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करना इनकी आदत बन गई है। मुख्यमंत्री योगी गाजियाबाद में बाबा दूधेश्वरनाथ महादेव की पावन धरती पर आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आ'ान पर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की अराजकता के खिलाफ देशव्यापी जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। पांच नवंबर को देश के 100 स्थानों पर पदयात्राएं पूरी हो रही हैं। दीपावली की तैयारियों के बीच बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी लोकतंत्र के प्रति उनकी जागरूकता को दशार्ती है।

मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए उनकी तुलना ऐसे छात्र से की, जो पढ़ाई नहीं करता और हर बार परीक्षा में फेल होने पर नया बहाना बना देता है। पहली बार पिता से कहता है कि मास्टर ने उसकी कॉपी बदल दी। दूसरी बार प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम से बाहर आने की बात करता है। तीसरी बार पेन की स्याही खत्म होने और चौथी बार सामने बैठे छात्र के तेज लिखने से ध्यान भटकने का बहाना बनाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के युवराज की भी यही स्थिति हो गई है। जनता का विश्वास खोने के बावजूद अपनी गलतियां स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1975 में देश पर आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस आज लोकतंत्र का पाठ पढ़ा रही है। संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करके स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की विरासत को अपमानित किया जा रहा है। उन्होंने वर्ष 1984 की सिख विरोधी हिंसा का उल्लेख करते हुए एक नवंबर को दिल्ली में कांग्रेस के प्रदर्शन पर भी सवाल उठाया। आरोप लगाया कि जिस दिन हिंसा में मारे गए सिखों को याद किया जाना चाहिए था, उस दिन कांग्रेस रामलीला मैदान में जश्न मना रही थी।

कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, सह प्रभारी अनंत ओझा, राज्यसभा सांसद रामप्रताप सिंह चौहान, क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, मंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह, सुनील शर्मा, गुलाब देवी, बलदेव सिंह औलख, कपिल देव अग्रवाल, नरेंद्र कश्यप, सोमेंद्र तोमर, जसवंत सिंह सैनी, दिनेश खटीक, के.पी. मलिक, सांसद डॉ. महेश शर्मा, लक्ष्मीकांत बाजपेयी, अतुल गर्ग, सुरेंद्र नागर, भाजपा नेता सुरेश राणा, नीरज सिंह, मोहित बेनीवाल तथा रालोद के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी सहित दोनों दलों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने घोटालों से गंवाया जनता का भरोसा

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में कॉमनवेल्थ, 2जी, कोयला और उर्वरक जैसे घोटाले सामने आए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने लाखों करोड़ रुपये के घोटाले किए और देश की सुरक्षा से समझौता किया। भ्रष्टाचार और अराजकता से परेशान जनता ने वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी को देश की बागडोर सौंपी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को अपने निकम्मेपन का ठीकरा भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी पर फोड़ने के बजाय यह स्वीकार करना चाहिए कि पांच दशक में जो काम वह नहीं कर सकी, उन्हें मोदी सरकार ने पूरा करके दिखाया।

सपा शासन में बेटियां और व्यापारी थे असुरक्षित

मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी को घेरते हुए कहा कि उसकी चार सरकारों में गुंडागर्दी, दंगे और कर्फ्यू उत्तर प्रदेश की पहचान बन गए थे। उस दौर में कहावत चल पड़ी थी, 'जिस गाड़ी पर सपा का झंडा, समझो बैठा है इसमें कोई कुख्यात गुंडा।' बेटियों की असुरक्षा को लेकर 'देख सपाई, बिटिया घबराई' कहा जाने लगा था। उन्होंने कोसीकलां, मुजफ्फरनगर, मथुरा, बरेली, संभल, मुरादाबाद, बुलंदशहर, मेरठ और सहारनपुर की हिंसक घटनाओं का उल्लेख करते हुए सपा को घेरा। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामभक्तों पर गोलियां चलवाने वाले और बेटियों तथा व्यापारियों की सुरक्षा के लिए खतरा बने रहने वाले आज लोकतंत्र पर उपदेश दे रहे हैं।

राम मंदिर निर्माण में रोड़े अटकाते रहे कांग्रेस-सपा

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और सपा ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का लगातार विरोध किया। न्यायालय से लेकर सड़कों तक बाधाएं खड़ी कीं। रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में निमंत्रण मिलने के बावजूद दोनों दलों के नेता नहीं पहुंचे। आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनकर तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विरासत और विकास साथ आगे बढ़ रहे हैं। अयोध्या में राम मंदिर बना तो चार करोड़ गरीबों को आवास भी मिले। काशी विश्वनाथ धाम का विकास हुआ तो दिल्ली में भारत मंडपम बना।

2014 के बाद बदली भारत की तस्वीर

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश आतंकवाद, नक्सलवाद, भ्रष्टाचार और अस्थिर अर्थव्यवस्था से जूझ रहा था। आज भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है। दिल्ली–मेरठ के बीच देश की पहली रैपिड रेल चल रही है। एम्स की संख्या 23 हो चुकी है। लगभग 12 सेमीकंडक्टर इकाइयां स्थापित हो रही हैं। वर्ष 2014 से पहले केवल पांच शहरों में मेट्रो थी, जबकि अब 20 से अधिक शहरों में इसका संचालन हो रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ, चार करोड़ गरीबों को आवास, 12 करोड़ घरों में शौचालय और 10 करोड़ घरों में रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर किसानों का सम्मान किया गया। किसान सम्मान निधि और सॉइल हेल्थ कार्ड जैसी योजनाओं से किसानों को लाभ मिला है।

जनता ने नकारा तो निर्वाचन आयोग पर उठाने लगे सवाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने वर्ष 1985 के बाद कांग्रेस को सत्ता का जनादेश नहीं दिया। तमिलनाडु में 1967, पश्चिम बंगाल में 1977 के बाद कांग्रेस सत्ता में नहीं लौटी। गुजरात, ओडिशा, त्रिपुरा और अन्य राज्यों में भी वह लंबे समय से सत्ता से बाहर है। इन राज्यों में कांग्रेस की पराजय एसआईआर से पहले हुई थी। ऐसे में अपनी हार के लिए निर्वाचन आयोग को जिम्मेदार ठहराना हास्यास्पद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र ने प्रत्येक नागरिक को समान मताधिकार दिया है। इस अधिकार की रक्षा के लिए संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान आवश्यक है। भाजपा जनादेश का सम्मान करती है और अपनी कमियों का दोष संस्थाओं पर नहीं मढ़ती। उन्होंने उपस्थित लोगों से 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' का नारा लगवाकर पदयात्रा में भागीदारी का आ'ान किया।

चावड़ी बाजार में इमारत ढहने से दो की मौत, जेई और एई निलंबित



वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पुरानी दिल्ली के चावड़ी बाजार में एक निमार्णाधीन तीन मंजिला इमारत ढहने की घटना की बृहस्पतिवार को जांच के आदेश दिए, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को ठेकेदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने संबंधित कनिष्ठ अभियंता (जेई) और सहायक अभियंता (एई) को तुरंत निलंबित करने के भी आदेश दिए।

गुप्ता ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटनास्थल का दौरा किया और कहा कि सुरक्षा मानदंडों की अनदेखी करने वाले किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने जनता से भी निर्माण के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की। गुप्ता ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ''यहां भूतल के साथ दो मंजिला इमारत का निर्माण चल रहा था।

मामले की आगे की जांच जारी है। हालांकि, नगर निगम ने अपने जेई और एई को निलंबित कर दिया है और इस इमारत का निर्माण करा रहे ठेकेदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।'' उन्होंने कहा, ''लोग अपने घरों का निर्माण करते समय जिस तरह से सुरक्षा को नजरअंदाज कर रहे हैं, वह उनके अपने जीवन के लिए खतरनाक है। चाहे कोई भी निर्माण हो, उसे सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही किया जाना चाहिए, और ऐसी लापरवाही को नजरअंदाज करने वाले किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राथमिकी में जिनका भी नाम होगा, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गुप्ता के साथ मौके पर पहुंचे शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सरकार पुरानी दिल्ली के विरासत क्षेत्रों में निर्माण के लिए नए मानदंड लागू करने की योजना बना रही है। गुप्ता ने अधिकारियों को घायलों का सर्वोत्तम संभव इलाज सुनिश्चित करने और प्रभावित परिवारों को तत्काल अनुग्रह राशि प्रदान करने के निर्देश दिए। पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 9:50 बजे चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के पास गली शाहतारा में इमारत ढह गई। एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) की बचाव टीम ने मलबे से दो शव निकाले, जबकि दमकल विभाग की टीमों के पहुंचने से पहले स्थानीय लोगों द्वारा चार घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि मलबे में और लोगों के फंसे होने की आशंका है। अग्निशमन विभाग और एनडीआरएफ की कई टीम बचाव अभियान में जुटी हैं।

उच्चतम न्यायालय का अहम फैसला, कस्टडी में लेते ही शुरू होगी 24 घंटे की मियाद

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि किसी गिरफ्तार व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की 24 घंटे की संवैधानिक समयसीमा उसे हिरासत में लिए जाने के क्षण से शुरू होती है, न कि पुलिस द्वारा औपचारिक रूप से गिरफ्तार किए जाने के समय से। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(2) के उद्देश्य से गिरफ्तारी और हिरासत के बीच कृत्रिम अंतर नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि ऐसी कोई भी व्याख्या संवैधानिक आदेश के विपरीत होगी, जिसके तहत पुलिस को औपचारिक गिरफ्तारी से पहले हिरासत में बिताई गई अवधि को 24 घंटे की समयसीमा से बाहर रखने की अनुमति मिले। पीठ ने कहा, ''यह विचार कि 24 घंटे की अवधि केवल औपचारिक गिरफ्तारी से शुरू होती है, संविधान के अनुच्छेद 22(2) और भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 56 के संवैधानिक आदेश के विपरीत है। फैसले में कहा गया है कि 24 घंटे की समयसीमा की गणना करते समय केवल गिरफ्तारी के स्थान से मजिस्ट्रेट की अदालत तक पहुंचने में यथोचित रूप से लगने वाले समय को ही इसमें शामिल नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि औपचारिक गिरफ्तारी से पहले पूछताछ, जांच, तलाशी या जब्ती में लगा समय इस अवधि से बाहर नहीं रखा जा सकता। संविधान का अनुच्छेद 22(2) कहता है कि गिरफ्तार और हिरासत में रखे गए प्रत्येक व्यक्ति को गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर निकटतम मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाना चाहिए। इसमें गिरफ्तारी के स्थान से अदालत तक पहुंचने में लगने वाला आवश्यक समय शामिल नहीं होता। शीर्ष न्यायालय ने ओडिशा उच्च न्यायालय के आर्यमन पटनायक मामले, मद्रास उच्च न्यायालय के कन्नन मामले और केरल उच्च न्यायालय के अरुण के. थॉमस मामले में दिए गए विचारों को खारिज कर दिया। इन मामलों में औपचारिक गिरफ्तारी से पहले हिरासत में बिताई गई अवधि को 24 घंटे की समयसीमा की गणना से बाहर रखने की अनुमति दी गई थी। पीठ ने कहा कि समयसीमा की गणना करते समय गिरफ्तारी के स्थान से मजिस्ट्रेट की अदालत तक पहुंचने में लगने वाले आवश्यक समय के अलावा किसी अन्य अवधि को बाहर नहीं रखा जा सकता। पीठ ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को अनुमेय 24 घंटे की अवधि से अधिक समय तक हिरासत में रखा जाता है और उसे मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं किया जाता, तो उसे तत्काल रिहा किया जाना चाहिए।

हरदीप सिंह पुरी मध्यप्रदेश से निर्विरोध राज्यसभा सांसद निर्वाचित

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



भोपाल। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी मध्यप्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। गुरुवार को नाम वापसी की समय-सीमा समाप्त होने के बाद निर्वाचन अधिकारी उमेश कुमार शर्मा ने उनके निर्वाचन की औपचारिक घोषणा की। इस दौरान उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को निर्वाचन प्रमाणपत्र सौंपा। पुरी के नामांकन पत्र पर कांग्रेस ने 100 से अधिक कमियां होने का दावा करते हुए आपत्तियां दर्ज कराई थीं। कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे और निर्दलीय प्रत्याशियों ने शपथपत्र में पत्नी के नाम का उल्लेख नहीं होने, विदेशी संपत्तियों और बैंक खातों का विवरण देने के तरीके तथा नोटरी सत्यापन की प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। निर्वाचन अधिकारी ने पुरी को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया। दस्तावेजों की जांच के बाद सभी आपत्तियां खारिज कर दी गईं। निर्वाचन अधिकारी के अनुसार जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं पाया गया। कांग्रेस समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी राजकुमार लोहानी का नामांकन अनिवार्य फॉर्म-26 शपथपत्र संलग्न नहीं होने के कारण निरस्त कर दिया गया। लोहानी ने दस्तावेजों की कमी दूर करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था, लेकिन निर्वाचन अधिकारी ने उनकी मांग स्वीकार नहीं की।

कमेटी बनाने पर हो रहा विचार: यूजीसी नियमों की समीक्षा के मामले में केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह 'यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन रेगुलेशंस, 2026' की समीक्षा के लिए एक समिति गठित करने पर विचार कर रही है। अदालत ने इस साल 29 जनवरी को यूजीसी के नए प्रस्तावित नियमों पर रोक लगा दी थी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच को बताया कि सरकार इन नियमों की जांच कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों की चिंताओं का समाधान हो और कोई भी वर्ग असंतुष्ट या डरा हुआ महसूस न करे। सॉलिसिटर जनरल ने कहा, 'सरकार एक समिति का गठन करने पर विचार कर रही है।' सीजेआई सूर्यकांत ने सभी छात्रों के हितों की रक्षा करने की जरूरत पर जोर दिया। पिछली बार सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा था कि ये नियम पहली नजर में अस्पष्ट हैं और इनके बहुत व्यापक परिणाम हो सकते हैं। अदालत ने चेतावनी दी थी कि इनसे समाज में बंटवारा हो सकता है और इनका खतरनाक असर पड़ सकता है। यूजीसी के प्रस्तावित नियमों के खिलाफ पिछले कुछ महीनों में देश के कई राज्यों में प्रदर्शन हो चुके हैं। कुछ संगठनों ने इन प्रस्तावित नियमों का स्वागत किया था तो विरोध करने वालों ने भी सड़क पर उतरकर अपनी आवाज उठाई थी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए आरक्षण हटाओ आंदोलन के दौरान भी यूजीसी नियमों के विरोध में नारेबाजी की गई थी।

यूजीसी के नए नियम क्या हैं?

इस साल 13 जनवरी को यूजीसी ने 'यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना) रेगुलेशंस, 2026' नाम से नए नियम जारी किए थे। यह नियम भारत के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों पर लागू होते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य जाति-आधारित भेदभाव को रोकना और कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों में सभी के साथ एक जैसा व्यवहार सुनिश्चित करना है। यूजीसी के इन नए नियमों के तहत, हर कॉलेज और विश्वविद्यालय के लिए अपने परिसर में 'इक्वल अपॉर्चुनिटी सेंटर' नाम से एक यूनिट बनाना जरूरी है। यूजीसी ने शिक्षण संस्थानों से कहा था कि वे विशेष समितियां, हेल्पलाइन और निगरानी टीमें बनाएं, जो शिकायतों को देखें, विशेषकर एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के छात्रों की शिकायतों को।

सुप्रीम कोर्ट ने उठाए सवाल

ये नियम सुप्रीम कोर्ट में साल 2019 में दायर एक याचिका के बाद तैयार किए गए थे। यह याचिका पायल तड़वी और रोहित वेमुला की मां की ओर से दायर की गई थी। जाति-आधारित भेदभाव के कारण 2019 और 2016 में कथित तौर पर इन दोनों ने आत्महत्या कर ली थी।

संपादक की कलम

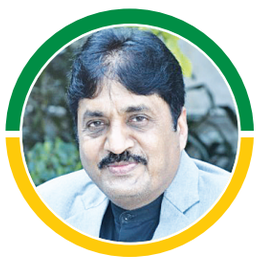
चौपाल से संसद तक: नारी शक्ति की बुलंद आवाज



ललित शर्मा
संपादक

भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब समाज के प्रत्येक वर्ग को निर्णय लेने की प्रक्रिया में समान अवसर मिले। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सदियों तक सामाजिक रूढ़ियों, आर्थिक निर्भरता और लैंगिक भेदभाव के कारण महिलाओं की आवाज सीमित रही। लेकिन आज परिस्थितियाँ बदल रही हैं। गांव की चौपाल से लेकर संसद तक महिलाएं अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं और नेतृत्व की नई मिसाल कायम कर रही हैं। भारत में महिलाएं परिवार, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में वे खेतों में काम करती हैं, परिवार संभालती हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाती हैं। इसके बावजूद लंबे समय तक राजनीतिक निर्णयों में उनकी भागीदारी सीमित रही। अब पंचायतों और स्थानीय निकायों में आरक्षण ने महिलाओं को नेतृत्व का अवसर प्रदान किया है। 73वें और 74वें संविधान संशोधनों ने पंचायती राज संस्थाओं तथा शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए कम से कम एक-तिहाई सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया। कई राज्यों ने इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कर दिया है। परिणामस्वरूप लाखों महिलाएं सरपंच, पंच, पार्षद और स्थानीय प्रतिनिधि बनकर सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हुई हैं। महिला प्रतिनिधियों की भूमिका केवल बैठकों में भाग लेने तक सीमित नहीं है। अनेक महिलाएं गांवों में पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दे रही हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भी आगे बढ़ रही हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जागरूकता का विकास हुआ है। हालांकि, इस बदलाव के सामने कई चुनौतियां भी हैं। कुछ स्थानों पर निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के स्थान पर उनके पति या परिवार के पुरुष सदस्य निर्णय लेते हैं। इसे अक्सर 'सरपंच पति' की समस्या कहा जाता है। अशिक्षा, आर्थिक निर्भरता, सामाजिक दबाव और प्रशासनिक जानकारी की कमी भी महिलाओं के प्रभावी नेतृत्व में बाधा बनती है। इसलिए केवल राजनीतिक पद देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें प्रशिक्षण, अधिकारों की जानकारी और स्वतंत्र निर्णय लेने का अवसर देना भी आवश्यक है। राष्ट्रीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना भी समय की मांग है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। इसी उद्देश्य से 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक महत्वपूर्ण पहल है। इसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इसका प्रभाव संबंधित संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया के बाद लागू होना है। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी केवल प्रतिनिधित्व का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समान अवसर का विषय है। जब महिलाएं निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल होती हैं, तो परिवार, बच्चों, शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे मुद्दों को भी उचित महत्व मिलता है। इसके लिए राजनीतिक दलों को महिलाओं को टिकट देने, नेतृत्व प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपने की आवश्यकता है। परिवारों और समाज को भी महिलाओं के राजनीतिक सपनों का समर्थन करना चाहिए। आज आवश्यकता है कि गांव की चौपाल पर उठने वाली महिलाओं की आवाज संसद के गलियारों तक पहुंचे। महिला सशक्तिकरण का अर्थ केवल सम्मान देना नहीं, बल्कि अधिकार, अवसर और निर्णय लेने की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना है।

धनतेरस: धन की पूजा नहीं, धन के शुद्ध संस्कारों का पर्व



ललित गर्ग
लेखक



पंच पर्वों से जुड़े दीपावली महापर्व का दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस केवल दीपावली के आरंभ का पर्व नहीं, बल्कि धन के प्रति हमारी दृष्टि को परखने का अवसर है। यह वह दिन है जब भारतीय संस्कृति धन की पूजा के साथ मनुष्य को यह स्मरण कराती है कि धन साधन है, साध्य नहीं, समृद्धि जीवन का अलंकार है, जीवन का आधार नहीं। दुर्भाग्य यह है कि आधुनिक समय में धन की परिभाषा इतनी संकुचित हो गई है कि धन का अर्थ संवेदना, सदाचार और संतोष से नहीं, बल्कि संग्रह, सुविधा, प्रतिष्ठा और शक्ति से जोड़ा जाने लगा है। आज दुनिया में आर्थिक समृद्धि बढ़ी है, लेकिन क्या उसी अनुपात में मनुष्य समृद्ध हुआ है? चंद हाथों में सिमटती संपदा और बढ़ती आर्थिक विषमता ने समाज में एक विचित्र असुरक्षा पैदा की है। भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, पर विश्वास घटा है। साधन बढ़े हैं, लेकिन साधना कमजोर हुई है। घर बड़े हुए, मगर हृदय छोटे होते गए। परिणामतः हिंसा, छल, भ्रष्टाचार, चोरी, शोषण, दुराचार और असीम संग्रह जैसी प्रवृत्तियां केवल समाज में नहीं, हमारे भीतर भी जगह बनाने लगी हैं। चेहरों की पहचान बची है, लेकिन चरित्र की पहचान धुंधली पड़ रही है। धनतेरस का वास्तविक संदेश इसी विसंगति को दूर करने में छिपा है। धन का विरोध भारतीय चिंतन कभी नहीं करता, वह धन के अंधे संग्रह और उसके अनुचित उपयोग का विरोध करता है। सनातन दृष्टि में लक्ष्मी तभी मंगलकारी है, जब वह धर्म और लोकमंगल से जुड़ी हो। भगवान महावीर का अपरिग्रह हमें बताते हैं कि आवश्यकता से अधिक संग्रह अंततः मनुष्य को वस्तुओं का स्वामी नहीं, वस्तुओं का दास बना देता है। जैन दर्शन का संयम और अल्पीकरण केवल साधु जीवन की साधना नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीवन-दृष्टि है। महात्मा गांधी ने धन के इसी प्रश्न को ट्रस्टीशिप के सिद्धांत से जोड़ा। उनके लिए संपत्ति का अधिकार केवल निजी उपभोग का अधिकार नहीं था, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी था। धन हमारे पास हो सकता है, लेकिन उसका अंतिम अर्थ तभी है जब उससे किसी और के जीवन में आशा, सम्मान और अवसर पैदा हों। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास कितना धन है, प्रश्न यह है कि हमारे धन का हमारे चरित्र पर कितना अधिकार है और हमारे धन से समाज को कितना अधिकार मिलता है। धनतेरस धन की कामना का पर्व है। इस दृष्टि से यह अर्थव्यवस्था का पर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना यानी धन एवं सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। यही कारण है कि इस दिन बर्तन खरीदे जाते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धन संपदा की देवी मां लक्ष्मी धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुईं थीं इसीलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सोना-चांदी घर लाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली आती है और अच्छा भाग्य भी घर लाते हैं। सोना खरीदने से बुरी शक्तियां और नकारात्मक ऊर्जा घर से दूर होती है। कई परिवार इस दिन सोना-चांदी खरीदकर अपनी सैकड़ों साल पुरानी परंपरा का पालन करते हुए इस दिन दिव्यता एवं धन की देवी लक्ष्मी देवी की पूजा करते हैं। लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिगदिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व। जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। उसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही लक्ष्मी है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ। आज आवश्यकता धन कमाने की नहीं, धन कमाने की शुद्ध पद्धति और उसके शुद्ध उपयोग की है। यदि साध्य समृद्धि है तो साधन भी शुद्ध होने चाहिए। बेईमानी, शोषण, छल और भ्रष्टाचार से अर्जित धन चाहे कितनी भी बड़ी संपत्ति क्यों न बना दे, वह जीवन में शांति और समाज में सम्मान नहीं ला सकता। इसके विपरीत परिश्रम, ईमानदारी और नैतिकता से अर्जित सीमित धन भी जीवन को गरिमा प्रदान करता है। धनतेरस हमें संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना देता है। जिस धन का प्रवाह समाज तक नहीं पहुँचता, वह अंततः जड़ हो जाता है। दान, सेवा, शिक्षा, चिकित्सा, जरूरतमंदों की सहायता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्थान में धन का उपयोग उसकी सार्थकता बढ़ाता है। दीपक की तरह धन भी तभी प्रकाश देता है, जब वह स्वयं जलकर दूसरों के जीवन में उजाला फैलाए।

इसलिए धनतेरस पर हमें केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि इस वर्ष हमारी संपत्ति कितनी बढ़ी, बल्कि यह भी पूछना चाहिए कि हमारा संतोष कितना बढ़ा, हमारा चरित्र कितना मजबूत हुआ, हमारी करुणा कितनी गहरी हुई और हमारे धन से कितने जीवनों में उजाला आया। हमारे पास कार न हो, कोठी न हो, ऊँची कुर्सी न हो-कोई बात नहीं, लेकिन हमारे पास ईमान, इंसानियत, आत्मसम्मान, संयम और चरित्र अवश्य होना चाहिए। यही वह संपदा है जिसे न बाजार खरीद सकता है, न समय छीन सकता है। धनतेरस का दीप तभी सच्चे अर्थों में जलेगा, जब हमारे भीतर धन के साथ धर्म, समृद्धि के साथ संवेदना, भोग के साथ संयम और अधिकार के साथ उत्तरदायित्व का प्रकाश भी जले। धन की समृद्धि जीवन को सुविधापूर्ण बना सकती है, लेकिन चरित्र की समृद्धि ही जीवन को महान बनाती है। यही धनतेरस का सनातन संदेश है और यही आधुनिक समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

बदलते वैश्विक कूटनीतिक समीकरण में ट्रंप की हार के मायने



संजीव ठाकुर
लेखक



अमेरिकी लोकतंत्र की विशेषता है कि वहां मतदाता राष्ट्रपति को चुनने के दो वर्ष बाद ही उसके कामकाज का मूल्यांकन करने का अवसर प्राप्त करते हैं। इस बार मतदाताओं ने महंगाई, जीवनयापन की बढ़ती लागत, ईरान के साथ युद्ध, आव्रजन नीति और प्रशासनिक फैसलों को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। विशेष रूप से ईरान के साथ लंबे युद्ध और उससे उत्पन्न आर्थिक दबाव ने रिपब्लिकन पार्टी की राजनीतिक स्थिति को कमजोर किया। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, कभी रिपब्लिकन पार्टी के मजबूत गढ़ माने जाने वाले क्षेत्रों में भी डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों को उल्लेखनीय सफलता मिली। यह इस बात का संकेत है कि अमेरिकी मतदाता केवल राजनीतिक नारों से प्रभावित नहीं होते, बल्कि आर्थिक सुरक्षा, शांति और लोकतांत्रिक जवाबदेही को भी प्राथमिकता देते हैं।

अमेरिका की राजनीतिक पटल पर हुए मध्यावधि चुनावों के परिणाम ने एक बार फिर वैश्विक राजनीति की दिशा और दशा को मोड़ दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को इन चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा है, जबकि विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमेरिकी संसद के दोनों सदनों–प्रतिनिधि सभा और सीनेट पर अपना ऐतिहासिक कब्जा जमा लिया है। यह चुनाव परिणाम राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों के खिलाफ एक बड़े जनमत संग्रह के रूप में देखे जा रहे हैं, जिसका सीधा असर आने वाले समय में वैश्विक कूटनीति और भारत-अमेरिका संबंधों पर पड़ेगा।

इस चुनाव में अमेरिकी राजनीति के भीतर भारतीय-अमेरिकी प्रवासियों की बढ़ती ताकत और उनकी राजनीतिक परिपक्वता खुलकर सामने आई है। डेमोक्रेटिक पार्टी की इस जीत में प्रवासी भारतीयों ने एक महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका निभाई है। कैलिफोर्निया से रो खन्ना, वॉशिंगटन से प्रमिला जयपाल, वर्जीनिया से सुहास सुब्रमण्यम और फ्लोरिडा से पिया दांडिया जैसे भारतीय मूल के नेताओं ने शानदार जीत दर्ज कर अमेरिकी विधायिका में अपने प्रभाव को और मजबूत किया है।

प्रवासी भारतीयों ने न केवल अपने मतदान से नीतिगत बदलावों का समर्थन किया, बल्कि इमिग्रेशन (प्रवासन), ग्रीन कार्ड बैकलॉग, और आर्थिक स्थिरता जैसे मुद्दों को मुख्यधारा की बहस के केंद्र में ला दिया। यह इस बात का प्रमाण है कि अमेरिकी नीति-निर्माण में अब भारतीय समुदाय की आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। संसद के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स के नियंत्रण में आने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के विधायी एजेंडे और आक्रामक विदेश नीतियों पर गंभीर ब्रेक लग सकता है। वैश्विक मंच पर इसके दूरगामी परिणाम होंगे. चुनाव प्रचार के दौरान ईरान के साथ बढ़ते तनाव और युद्ध के मुद्दों को मतदाताओं ने प्रमुखता से नकारा। इससे अमेरिकी प्रशासन को अपनी पश्चिम एशिया नीति पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है।

डेमोक्रेटिक पार्टी के मजबूत होने से अंतरराष्ट्रीय समझौतों, पर्यावरण संबंधी नीतियों (जैसे पेरिस समझौता) और पारंपरिक सहयोगियों के साथ रिश्तों में एक बार फिर नरमी और स्थिरता देखने को मिल सकती है। भारत के दृष्टिकोण से, अमेरिकी संसद में बदले हुए समीकरणों के बीच दिल्ली को अपनी कूटनीति को अधिक बहुआयामी और लचीला बनाना होगा। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों दलों के बीच संतुलन बिठाते हुए रक्षा, तकनीक और व्यापारिक साझेदारी को आगे बढ़ाना भारत की प्राथमिकताओं में शामिल होगा।

इस राजनीतिक उलटफेर के बाद दुनिया भर के शीर्ष नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं: अपनी पार्टी की हार को स्वीकार करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ₹हम डेमोक्रेट्स के साथ काम करेंगे और उनके साथ मिलकर काम करने को पूरी तरह उत्सुक हैं।

हम संभवतः कोई न कोई रास्ता निकाल लेंगे। मुझे लगता है कि इस हार की एक बड़ी वजह ईरान को लेकर उठाए गए कदम भी रहे, लेकिन आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को परमाणु हथियार हासिल करने की छूट नहीं दी जा सकती। डेमोक्रेटिक पार्टी की इस शानदार सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बराक ओबामा ने कहा, अमेरिकियों ने अपने वोट के जरिए एक स्पष्ट और मजबूत संदेश दिया है। वे ऐसी राजनीति चाहते हैं जो लोगों को बांटने के बजाय उन्हें एकजुट करे और देश की गंभीर चुनौतियों का ठोस समाधान पेश करे।

ईरान के संसदीय अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने अमेरिकी चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, वजह चाहे अंतरात्मा की आवाज हो या बढ़ती महंगाई, यह सच है कि अमेरिकियों ने युद्ध को 'ना' कहा है। हम इस जनभावना के संदेश का पूरी तरह समर्थन करते हैं.

डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी की मध्यावधि चुनाव में यह हार अमेरिकी घरेलू राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत तो है ही, साथ ही यह वैश्विक कूटनीति के स्थापित समीकरणों को भी पुनर्गठित करेगी। इसमें प्रवासी भारतीयों की बढ़ती राजनीतिक हिस्सेदारी यह सुनिश्चित करती है कि भविष्य की अमेरिकी नीतियां अल्पसंख्यकों और प्रवासियों के हितों के प्रति अधिक संवेदनशील होंगी। भारत और अन्य वैश्विक ताकतों के लिए यह समय नई राजनीतिक वास्तविकताओं के साथ तालमेल बिठाकर आगे बढ़ने का है।

धनतेरस

मोनिका डागा

कविता



पंच-दिवसीय पर्व की हुई है मांगलिक शुरूआत,
उत्सव की रंगत से महके है मन के पारिजात ।

कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि मनाते हैं धनतेरस,
धन्वंतरि देव लुटाते आरोग्यता का अमिय रस,
धन कुबेर और महालक्ष्मी जी का पूजन-अर्चन,
सौभाग्य जगाएं और करें धन-धान्य से सम्पन्न,
व्यापार संग जीवन में हो ₹आनंद₹ की बरसात,
उत्सव की रंगत से महके है मन के पारिजात ।

सोने-चाँदी या पीतल का सामान, खड़ा धनिया,
मूरत लक्ष्मी-गणेश की खरीदतें गृहस्थ बनिया,
देव स्थानों, तटों और घरों में दीपों की कतार,
हर ओर है सुनहरी रोशनी की चमक और प्यार,
त्योहारों की रौनक से जगमग है हाट दिन-रात,
उत्सव की रंगत से महके है मन के पारिजात ।

हो फलीभूत सच्ची आस्था और पक्का विश्वास,
निरोगी शरीर और सात्विक सुख यश-कीर्ति की आस,
सुख-समृद्धि वैभव की देवी विष्णु प्रिया हो वरदा,
पाएं धनवंतरी, यक्षराज कुबेर से संपदा,
कृपा से ईश की हुए निर्मल अंतरंग जज्बात,
उत्सव की रंगत से महके है मन के पारिजात ।

घर बसाने की रस्में बहुत, घर बचाने की शिक्षा कहां?



प्रो. आरके जैन
लेखक



हमारे समाज में शादी की हर तैयारी होती है, बस शादी निभाने की नहीं। दूल्हे के सेहरे, दुल्हन के लहंगे, बरात की गाड़ियों और पकवानों की फेहरिस्त महीनों पहले तैयार हो जाती है। मगर जिन दो लोगों को पूरी जिंदगी साथ बितानी है, उनके स्वभाव, आदतों और अपेक्षाओं का मेल कैसा होगा, इस पर शायद ही कोई गंभीरता से सोचता है। शादी के दिन चेहरे मुस्कराते रहें, इसकी चिंता सबको होती है; लेकिन शादी के बाद उन चेहरों पर मुस्कान कैसे बनी रहेगी, यह सवाल अनुत्तरित रह जाता है। इसी विडंबना के बीच गोवा के एक कॉलेज ने विवाह से पहले 15 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने की पहल की है। यह अनूठा प्रयास केवल एक पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि विवाह और रिश्तों को लेकर हमारी सोच पर गंभीर सवाल है।

गोवा के होम साइंस कॉलेज में दिसंबर से शुरू होने वाला ह्यमैरिज रेडीनेसह्न पाठ्यक्रम युवाओं को विवाह के लिए मानसिक और व्यावहारिक रूप से तैयार करेगा। पहली नजर में सवाल उठता है–क्या अब शादी के लिए भी डिग्री चाहिए? नौकरी, कारोबार और वाहन चलाने के लिए हम प्रशिक्षण लेते हैं, लेकिन जीवनभर साथ निभाने वाले रिश्ते के लिए कोई तैयारी नहीं करते। विवाह केवल मंडप, मेहंदी और तस्वीरों का उत्सव नहीं, बल्कि स्वयं को समझने, साथी को जानने और जिम्मेदारियां निभाने का नाम है। कॉलेज के ब्रोशर में भी सवाल है–करियर के लिए बीस साल लगाने वाले लोग विवाह की तैयारी के लिए कुछ दिन क्यों नहीं निकाल सकते? यह सवाल हमारी सोच की बड़ी कमी उजागर करता है।

विवाह टूटने का एक कारण यह भी है कि हम जीवनसाथी चुनते समय उसकी कमाई और परिवार की हैसियत देखते हैं, स्वभाव और व्यवहार नहीं। कुंडली के गुण मिलाते हैं, लेकिन गुस्से, धैर्य, अपेक्षाओं और विचारों पर ध्यान नहीं देते। बाद में यही अनदेखी विवाद बन जाती है। गोवा में 2022 से 2025 के बीच तीन हजार से अधिक विवाह और तलाक संबंधी याचिकाएँ सिविल अदालतों में दर्ज हुईं, जिनमें अकेले 2024 में 947 मामले शामिल हैं। तलाक के मामलों में कमी लाने के लिए राज्य सरकार भी विवाह-पूर्व परामर्श की जरूरत जता चुकी है। कॉलेज का यह पाठ्यक्रम इसी दिशा में पहल है। अदालतों में विवाद पहुंचने के बाद रिश्ते सुधारने से बेहतर है कि विवाह से पहले ही संभावित टकराव के कारण समझ लिए जाएं।

आज रिश्ते बनाना आसान हुआ है, निभाना नहीं। डेटिंग ऐप पर स्वाइप से परिचय, सोशल मीडिया पर बातचीत और कुछ मुलाकातों में भविष्य के सपने सजने लगते हैं। लेकिन तस्वीर पसंद करना और जीवन की जिम्मेदारियां साझा करना अलग बातें हैं। इसलिए पाठ्यक्रम में डेटिंग का अर्थ, पुरुषत्व और स्त्रीत्व की धारणाओं का रिश्तों पर प्रभाव तथा शादी और विवाह के अंतर जैसे विषय शामिल हैं। युवा समानता की बात करते हैं, पर व्यवहार में पुरानी सोच और अपेक्षाएं बनी रहती हैं। पति से कमाने और पत्नी से घर संभालने की उम्मीदें तब टकराती हैं, जब दोनों समान अधिकार और स्वतंत्रता चाहते हैं। विवाह को मालिक-सेवक का संबंध नहीं, बल्कि दो बराबर व्यक्तियों की साझेदारी मानना जरूरी है।

विवाह की असली परीक्षा कुछ दिन बाद रसोई से शुरू होती है। दोनों नौकरी करते हैं, थककर लौटते हैं और घर व बच्चों की जिम्मेदारियां सामने होती हैं। खाना कौन बनाएगा, बच्चों को कौन संभालेगा, खर्च-बचत कैसे होगी और बुजुर्गों की देखभाल कौन करेगा? इन सवालों पर पहले बात न हो, तो घर शिकायतों का अड्डा बन जाता है। इसलिए आत्म-जागरूकता जरूरी है। अपनी कमजोरियों, जरूरतों और अपेक्षाओं को समझे बिना व्यक्ति साथी से समझदारी की उम्मीद करता है और उसके न बदलने की शिकायत करता है। जबकि कई बार साथी नहीं, हमारी समझ अधूरी होती है। प्रेम के साथ एक-दूसरे की थकान, परेशानी और भावनाओं को समझना भी जरूरी है।

प्रेम पंद्रह दिन की कक्षा में नहीं सिखाया जा सकता। कोई पाठ्यक्रम न प्रेम पैदा कर सकता है, न सफल विवाह की गारंटी दे सकता है। लेकिन धैर्य, संवाद और जिम्मेदारी सीखी जा सकती है। खिलाड़ी हर मैच नहीं जीतता, विद्यार्थी हर परीक्षा में सफल नहीं होता, फिर भी अभ्यास और तैयारी नहीं छोड़ता। विवाह में भी माफी मांगना, गलती स्वीकारना, असहमति का सम्मान करना और जरूरत पर समझौता करना जरूरी है। स्नातक-स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और अविवाहित युवाओं के लिए यह पाठ्यक्रम विवाह से पहले ही उन्हें संभावित उलझनों के प्रति सजग बनाने का प्रयास है। इसका उद्देश्य प्रमाणपत्र नहीं, रिश्तों की व्यवहारिक समझ विकसित करना है।

समाज का बदलता ढांचा भी ऐसी पहल की जरूरत बताता है। संयुक्त परिवार टूटकर छोटे परिवारों में सिमट रहे हैं और शिक्षा-रोजगार के लिए युवा घरों से दूर बस रहे हैं। पहले बुजुर्ग अपने अनुभव से रिश्तों की उलझनें सुलझाते थे, अब युवाओं को फोन पर माता-पिता और सीमित अनुभव वाले दोस्तों की सलाह मिलती है। ऐसे में रिश्तों की व्यवस्थित शिक्षा उपयोगी हो सकती है। स्वयं को समझना, भावनाओं का सम्मान करना, माफी मांगना और मतभेद बातचीत से सुलझाना हर रिश्ते के लिए जरूरी है। शिक्षा में नौकरी-कमाई पर जोर है, लेकिन भावनात्मक परिपक्वता पर कम चर्चा होती है। स्कूलों में यौन शिक्षा के साथ स्वस्थ रिश्तों और जिम्मेदार साझेदारी की समझ भी विकसित की जानी चाहिए।

गोवा की यह पहल दूसरे राज्यों के लिए भी मिसाल बन सकती है। विवाह की तैयारी में कुंडली, खरीदारी, दहेज और समारोह पर ध्यान दिया जाता है, लेकिन जीवनसाथी के स्वभाव, विचारों, आर्थिक सोच और अपेक्षाओं को समझना भी जरूरी है। पंद्रह दिन का पाठ्यक्रम सफल विवाह की गारंटी नहीं, पर रिश्तों की समझ जरूर बढ़ा सकता है। विवाह विश्वास, प्रेम, धैर्य और आपसी व्यवहार से टिकता है। यदि युवा इसकी मदद से विवाह से पहले जिम्मेदारियों और अपेक्षाओं पर खुलकर बात करना सीखें, तो यही इसकी सफलता होगी। क्योंकि शादी एक दिन का आयोजन है, लेकिन विवाह जीवनभर की साझेदारी। सात फेरों के वचन तभी सार्थक हैं, जब वे रस्मों में नहीं, रोजमर्रा के व्यवहार में दिखाई दें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

उत्तराखंड परिवहन निगम को मिलीं 59 नई बसें, सीएम धामी ने दिखाई हरी झंडी

उत्तराखंड परिवहन निगम के बेड़े में शामिल हुईं 59 नई साधारण बसें, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

ओपी उनियाल/वेलकम इंडिया

देहरादून। उत्तराखंड में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं आधुनिक बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री आवास से उत्तराखंड परिवहन निगम की 59 नई साधारण बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बीएस-06 उत्सर्जन मानकों के अनुरूप तैयार इन बसों के परिवहन निगम के बेड़े में शामिल होने से प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का विस्तार होगा। साथ ही यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा की बेहतर सुविधा मिल सकेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश के पर्वतीय एवं दुर्गम क्षेत्रों में बेहतर आवागमन सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उत्तराखंड के दूरस्थ और अंतिम छोर पर बसे गांवों तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए सड़क संपर्क के साथ-साथ मजबूत सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था भी बेहद जरूरी है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र को बेहतर परिवहन सुविधाओं से जोड़ा जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन निगम के बेड़े में नई बसों के शामिल होने से यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क व्यवस्था और मजबूत होगी। बेहतर परिवहन सुविधाओं से स्थानीय निवासियों के साथ-साथ प्रदेश में आने वाले पर्यटकों को भी लाभ मिलेगा। राज्य सरकार सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और सुविधाजनक बनाने के लिए लगातार



प्रयास कर रही है। उत्तराखंड परिवहन निगम की इन 59 नई बसों का आवंटन प्रदेश के तीन मंडलों में किया गया है। इनमें नैनीताल मंडल को 19 बसें, टनकपुर मंडल को 20 बसें तथा देहरादून मंडल को 20 बसें आवंटित की गई हैं। इन बसों का संचालन विभिन्न मार्गों पर यात्रियों की आवश्यकता और परिवहन की मांग के अनुसार किया जाएगा। इससे विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है, जहां सार्वजनिक परिवहन की सुविधा को और बेहतर बनाने की आवश्यकता है। वर्तमान में उत्तराखंड परिवहन निगम के बेड़े में कुल 1,276 बसें संचालित हैं। इनमें निगम की अपनी 891 बसें तथा 385 अनुबंधित बसें शामिल हैं। अब 59 नई बसों के शामिल होने से परिवहन निगम की सेवाओं को और विस्तार मिलेगा तथा विभिन्न मार्गों पर बसों की उपलब्धता बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। नई बसें बीएस-06 उत्सर्जन मानकों के अनुरूप हैं। इनके संचालन से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। आधुनिक उत्सर्जन मानकों वाली बसों का उपयोग प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सकारात्मक कदम माना जा रहा है। नई बसों के संचालन से प्रदेश के ग्रामीण एवं पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को दैनिक आवागमन के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़ी सुविधाओं तक पहुंचने में आसानी होगी। विशेष रूप से उन मार्गों पर परिवहन सेवाओं का विस्तार किया जा सकेगा, जहां यात्रियों को बसों की कमी के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बेहतर बस सेवा उपलब्ध होने से स्थानीय व्यापारियों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और वरिष्ठ नागरिकों को भी लाभ मिलेगा। इसके अलावा उत्तराखंड में धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने में भी इन बसों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। चारधाम यात्रा सहित प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों तक पहुंचने वाले यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भी यह कदम उपयोगी साबित हो सकता है। सरकार का उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन को आमजन की जरूरतों के अनुरूप विकसित करना है, ताकि निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो और सड़क सुरक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी प्रोत्साहन मिले।

दूरस्थ क्षेत्रों के विकास में सार्वजनिक परिवहन की अहम भूमिका: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में सार्वजनिक परिवहन का विशेष महत्व है। बेहतर परिवहन सुविधाएं केवल लोगों के आवागमन को आसान नहीं बनातीं, बल्कि दूरस्थ क्षेत्रों में आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को भी गति प्रदान करती हैं। इससे स्थानीय लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में सुविधा मिलती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि उत्तराखंड के किसी भी क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से अलग नहीं रहने दिया जाएगा। इसके लिए सड़क संपर्क और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को लगातार मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए परिवहन विभाग एवं उत्तराखंड परिवहन निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। कहा कि सरकार का प्रयास है कि उत्तराखंड का प्रत्येक क्षेत्र बेहतर परिवहन सुविधाओं से जुड़े और विकास की यात्रा में कोई भी क्षेत्र पीछे न रहे।

व्यापारी से 92 हजार रुपये की खाद्य सामग्री मंगाकर की धोखाधड़ी, एक आरोपी गिरफ्तार

401 गत्ता रस्क और दो बोरी खाद्य सामग्री बरामद, वारदात में इस्तेमाल बोलेरो पिकअप सीज; दो अन्य आरोपियों के नाम भी आए सामने

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। व्यापारी से खाद्य सामग्री मंगाकर भुगतान किए बिना गायब होने के मामले में थाना उदयपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने धोखाधड़ी के इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर 401 गत्ता रस्क और दो बोरी अन्य खाद्य सामग्री बरामद की गई है। इसके साथ ही घटना में इस्तेमाल बोलेरो पिकअप को भी सीज कर दिया गया है। बरामद खाद्य सामग्री की कुल कीमत 92,260 रुपये बताई गई है। पुलिस की पूछताछ में इस मामले में दो अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं, जिनकी भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, फाफामऊ प्रयागराज निवासी एक व्यापारी जीविजो इंडस्ट्रीज के नाम से टोस्ट और रस्क का उत्पादन एवं कारोबार करते हैं। 30 अक्टूबर 2026 को उनके मोबाइल पर एक व्यक्ति ने फोन



कर स्वयं को अठेहा बाजार निवासी राकेश जायसवाल बताते हुए रस्क एवं अन्य खाद्य सामग्री का ऑर्डर दिया। इसके बाद वाहन संख्या वढ70ऊ7707 के माध्यम से 400 पेटी छोटा रस्क, 116 पेटी बड़ा रस्क, 10 पेटी खारी और तीन बोरी फ्राइम सहित कुल 92,260 रुपये का सामान अठेहा बाजार भेजा गया। आरोप है कि वहां सामान गोदाम में उतरवाने के बाद 2,260 रुपये नकद दे दिए गए, जबकि शेष 90 हजार रुपये ऑनलाइन भुगतान करने का आश्वासन दिया गया। हालांकि, काफी समय बीतने के बाद भी व्यापारी को भुगतान नहीं किया गया। बाद में जब व्यापारी संबंधित गोदाम पहुंचा तो वहां खाद्य सामग्री नहीं मिली। अपने साथ हुई धोखाधड़ी का एहसास होने पर व्यापारी ने पुलिस को तहरीर दी। तहरीर के आधार पर थाना उदयपुर में मुकदमा अपराध संख्या 206/2026, धारा 318(4) बीएनएस के तहत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में अपराधों की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनन्दन राय एवं क्षेत्राधिकारी लालगंज राजीव द्विवेदी के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी उदयपुर दीपनारायण के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। इसी क्रम में उपनिरीक्षक अमित द्विवेदी पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त एवं चेकिंग कर रहे थे। तभी मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने ग्राम खानीपुर में बोलेरो पिकअप के पास दबिश दी और जंत्री सिंह पुत्र प्रेमचन्द्र निवासी ग्राम खानीपुर, थाना उदयपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर उसके घर के बरामदे और बोलेरो पिकअप से कुल 401 गत्ता रस्क बरामद किया। बरामदगी के आधार पर दर्ज मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई। वहीं, वाहन के आवश्यक प्रपत्र उपलब्ध नहीं कराने पर बोलेरो पिकअप संख्या वढ33ऊ7728 को धारा 207 मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अभियुक्त जंत्री सिंह ने बताया कि उसके परिचित विपिन पाण्डेय एवं नितिन पाण्डेय पुत्रगण मुन्ना उर्फ शिवकुमार पाण्डेय निवासी ग्राम कोल बजरडीह, थाना अन्तू ने उसे ग्राम दलापट्टी बुलाया था। आरोप है कि दोनों ने वहां दो दिनों के लिए एक कमरा किराये पर लेकर फाफामऊ के व्यापारी से रस्क और टोस्ट सहित अन्य खाद्य सामग्री बिना भुगतान प्राप्त करने की योजना बनाई थी। अभियुक्त के अनुसार, विपिन ने ही व्यापारी को फोन करके खाद्य सामग्री का ऑर्डर दिया था। सामान पहुंचने के बाद उसे किराये के कमरे में रखवा दिया गया। अगले दिन दोनों के कहने पर उसने खाद्य सामग्री अपनी बोलेरो पिकअप में लादी और उसे अपने घर पहुंचा दिया।

गंगा एक्सप्रेसवे पर भीषण टक्कर के बाद पलटा ट्रक, सड़क पर बिखरा एल्यूमिनियम का सामान





विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़/बाबागंज। महेशगंज थाना क्षेत्र के लोकैयापुर गांव के पास गुरुवार सुबह गंगा एक्सप्रेसवे पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। दिल्ली से बनारस की ओर जा रही एक लग्जरी बस ने आगे चल रहे एल्यूमिनियम रोल लदे आयशर ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया और उसमें लदा एल्यूमिनियम का सामान एक्सप्रेसवे पर दूर-दूर तक बिखर गया। जानकारी के अनुसार, हादसा गुरुवार सुबह करीब 9:30 बजे हुआ। दिल्ली से बनारस की ओर जा रही लग्जरी बस की ट्रक से भिड़ंत हो गई।

टक्कर लगने के बाद ट्रक सड़क पर पलट गया। अचानक हुए हादसे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। एक्सप्रेसवे पर ट्रक में लदा एल्यूमिनियम रोल और अन्य सामान बिखरने से यातायात भी प्रभावित होने की स्थिति बन गई। बताया गया कि दुर्घटनाग्रस्त लग्जरी बस में कोई यात्री सवार नहीं था। बस में केवल चालक और खलासी मौजूद थे। बस में कपड़े एवं अन्य लगेज का सामान लदा हुआ था। वहीं, हादसे में ट्रक चालक समेत सभी संबंधित लोग सुरक्षित बताए गए हैं। गनीमत रही कि इतनी जोरदार टक्कर और ट्रक पलटने के बावजूद कोई जनहानि नहीं हुई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। एक्सप्रेसवे पर बिखरे सामान और पलटे ट्रक को देखकर लोग भी हैरान रह गए। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

परवाना गांव के लापता युवक दीपांशु की तलाश में जुटी खानपुर पुलिस, कई स्थानों पर की जा रही खोजबीन

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना। थाना खानपुर क्षेत्र के गांव परवाना से एक युवक के अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। गांव निवासी दीपांशु पुत्र देवेंद्र के लापता होने से परिवार में चिंता और बेचैनी का माहौल बना हुआ है। युवक के अचानक गायब होने के बाद से परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे हैं।

रिश्तेदारों और परिचितों के यहां भी युवक के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है, लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। परेशान परिजनों ने पुलिस से दीपांशु को जल्द से जल्द तलाश कर सकुशल घर वापस लाने की गुहार लगाई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद थाना खानपुर पुलिस ने भी गंभीरता दिखाते हुए युवक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस की ओर से



संभावित स्थानों पर जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही युवक के लापता होने से जुड़े विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक किन परिस्थितियों में लापता हुआ और उसके बारे में आखिरी जानकारी कहां से मिली थी।

वहीं थाना प्रभारी रितेश कुमार ने बताया कि दीपांशु की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है। पुलिस की टीम लगातार युवक की तलाश में जुटी हुई हैं और संभावित स्थानों पर जानकारी एकत्र की जा रही है। उन्होंने आमजन से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति को लापता युवक दीपांशु के संबंध में कोई जानकारी मिलती है या वह कहीं दिखाई देता है तो तत्काल थाना खानपुर पुलिस को सूचित करें, ताकि उसे सकुशल बरामद किया जा सके। युवक के लापता होने से परवाना गांव और उसके परिवार में चिंता का माहौल बना हुआ है। परिजन दीपांशु की सुरक्षित वापसी की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अब सभी की निगाहें पुलिस की तलाश और जांच पर टिकी हैं।

लालपुर स्टेडियम में विकास खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन, नन्हें खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

मोहम्मद असलम/वेलकम इंडिया

लखीमपुर-खीरी। स्पोर्ट्स लालपुर स्टेडियम, लखीमपुर-खीरी में बेसिक शिक्षा परिवार, विकास खंड लखीमपुर की ओर से विकास खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नन्हें खिलाड़ियों ने उत्साह और जोश के साथ विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक योगेश वर्मा के पुत्र इंजीनियर आनंद वर्मा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत मिदनिया गढ़ी की प्रधान अनुश्री जायसवाल शामिल हुईं। दोनों अतिथियों ने संयुक्त रूप से बच्चों का उत्साहवर्धन किया और हरी झंडी दिखाकर दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। खेल प्रतियोगिता में बच्चों का उत्साह और खेलों के प्रति उनकी लगन देखकर अतिथियों ने प्रसन्नता



व्यक्त की। उन्होंने कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना को भी मजबूत करते हैं। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी हृदय शंकर लाल श्रीवास्तव, खंड विकास अधिकारी संदीप कुमार तिवारी, उच्च प्राचार्या सीमा शुक्ला, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी सहित शिक्षक परिवार के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा का उल्लेख किया गया। आयोजकों ने सभी नन्हें खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के आयोजन से बच्चों में खेल भावना और उत्साह देखने को मिला।

बाबूगढ़ पुलिस ने जानलेवा हमले के मामले में वांछित आरोपी को किया गया गिरफ्तार



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। जनपद हापुड़ के थाना बाबूगढ़ पुलिस ने ग्राम गोहरा आलमगीरपुर में मारपीट कर जानलेवा हमला करने के मामले में वांछित एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार, जनपद में अपराधों की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ पुलिस ने यह कार्रवाई की। आरोपी के खिलाफ थाना बाबूगढ़ में मुकदमा संख्या 347/2026, धारा 191(2), 191(3), 190, 115(2), 118(1), 351(3), 352 एवं 109(1) बीएनएस के अंतर्गत मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान महाताब पुत्र इनसाफ निवासी ग्राम गोहरा आलमगीरपुर, थाना बाबूगढ़, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रोहित कुमार एवं कांस्टेबल 965 फिरोज खान शामिल रहे।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी जिला कार्यालय मुरादाबाद पर मासिक बैठक का किया गया आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। प्रत्येक माह की भांति आज सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिला कार्यालय मुरादाबाद पर मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष सरताज अनारी ने की, जबकि संचालन जिला प्रमुख महासचिव गौरव कुमार द्वारा किया गया। बैठक में विधानसभा 27 मुरादाबाद देहात से आए सम्मानित निवासियों एवं पार्टी पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए संचालनकर्ता गौरव कुमार ने बताया कि आज की मासिक बैठक में आगामी कार्यक्रमों, विधानसभा क्षेत्र में आयोजित की जा रही जन चौपालों एवं जनसंवाद कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा पार्टी की नीतियों के प्रचार-प्रसार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि विधानसभा 27 मुरादाबाद देहात से पार्टी द्वारा प्रभारी नियुक्त किए गए एवं संभावित प्रत्याशी बड़े भाई रवि चौधरी के नेतृत्व में प्रतिदिन विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण किया जा रहा है, ताकि क्षेत्र का कोई भी ग्रामीण एवं निवासी पार्टी की नीतियों और विचारधारा से जुड़ने से वंचित न रहे। जनता को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की नीतियों एवं कार्यप्रणाली से अवगत कराया जा रहा है। साथ ही जनता से अपील की जा रही है कि आगामी विधानसभा चुनाव में अपना सही प्रतिनिधि चुनकर विधानसभा भेजें, जो जनता को केवल वोट बैंक न समझे, बल्कि प्रत्येक नागरिक को सम्मान और अधिकार देने का कार्य करे। जिससे इस बार देहात विधानसभा क्षेत्र के निवासी अपने क्षेत्र के विकास में स्वयं भागीदार बन सकें। बैठक में जिला प्रवक्ता नाजिम ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि वह उर्दू, अरबी एवं फारसी की शिक्षा देने वाले शिक्षक हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने शिक्षण कार्य के साथ-साथ रवि चौधरी एवं सुहेलदेव भारतीय समाज



पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर उन्हें विधानसभा 27 मुरादाबाद देहात से विधायक बनाने के संकल्प के साथ प्रतिदिन क्षेत्र में मेहनत कर रहे हैं। वह जनता के बीच जाकर रवि चौधरी का परिचय करा रहे हैं और लोगों को उनके विचारों एवं कार्यशैली से अवगत करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह रवि चौधरी को अपना विधायक मान चुके हैं और अब उन्हें विधानसभा क्षेत्र की जनता से उम्मीद है कि वह उनके इस सपने को साकार करने में सहयोग करेगी।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष रवि चौधरी ने कहा कि विधानसभा 27 मुरादाबाद देहात की जनता बेहद भोली-भाली है, जिसका फायदा उठाकर कुछ तथाकथित लोग स्वयं को जनता का ठेकेदार बनाकर बैठे हैं। क्षेत्र की जनता आज भी विकास की बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है। क्षेत्र के अनेक नागरिक सड़क, नाली, गलियों, बिजली, बिजली के खंभों, शौचालय, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेंशन योजना एवं विवाह योजना जैसी सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि आखिर क्षेत्र का आम नागरिक इन मूलभूत सुविधाओं और सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित क्यों है? इसकी जिम्मेदारी वहां के जनप्रतिनिधियों की है। उन्होंने वर्तमान विधायक हाजी नासिर कुरैशी पर निशाना साधते हुए कहा कि जब जनप्रतिनिधि जनता की मूलभूत समस्याओं के बजाय अपने व्यवसाय और निजी राजनीतिक हितों में व्यस्त रहेंगे, तो उनसे जनता के विकास और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की उम्मीद कैसे की जा सकती है?

रवि चौधरी ने आगे कहा कि यदि विधानसभा 27 मुरादाबाद देहात की जनता उन्हें अपना प्रतिनिधित्व करने का अवसर देती है, तो क्षेत्र का प्रत्येक नागरिक स्वयं को विधायक समझेगा। वह स्वयं को केवल जनता के विकास का एक माध्यम मानेंगे। क्षेत्र का विकास जनता की जरूरतों, सुझावों और सहभागिता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि विधानसभा क्षेत्र की जनता आज भी अपनी मूलभूत जरूरतों से वंचित है। जब वह क्षेत्र के गांवों में भ्रमण करते हैं और लोगों की समस्याओं को करीब से देखते हैं, तो उन्हें बेहद दुख होता है। उनका उद्देश्य केवल विधायक बनना नहीं, बल्कि क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को उसका अधिकार, सम्मान और विकास की सुविधाएं दिलाना है।

बैठक में जिला प्रमुख महासचिव गौरव कुमार, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद शमीम, जिला प्रचार मंत्री विशाल वर्धन, जिला सलाहकार मंत्री सतीश ढल, जिला सचिव मोहम्मद फहद, जिला सचिव अनुज वर्मा, जिला प्रवक्ता नाजिम, महिला मोर्चा महानगर अध्यक्ष अंशिका, महानगर जिला उपाध्यक्ष प्रीति वर्धन, कुंदरकी विधानसभा अध्यक्ष रजनी कुमारी, महानगर उपाध्यक्ष पिंटू, महानगर उपाध्यक्ष महेश, सूरज सिंह, हरकिशन सिंह, राजेश्वरी, वंदना, रोहित, विकास, ब्रजलाल सैनी, नरेश, विजेंद्र, आदर्श सैनी एवं विजेंद्र कश्यप सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिवंगत पत्रकार शोभित पांडेय के परिजनों से मिलकर भावुक हो उठे एसपी संदीप कुमार मीणा

5 लाख 51 हजार की सौंपी आर्थिक मदद

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। जिले में पत्रकारिता की बुलंद आवाज को प्रकृति ने कुछ यूं बंद किया कि समाज का हर तबका स्तब्ध हो उठा। वरिष्ठ पत्रकार स्व शोभित पांडेय के आकस्मिक निधन ने पुलिस विभाग के साथ ही उनके आला कमान को भी द्रवित और स्तब्ध कर डाला। गुरुवार को उनके निधन के दूसरे दिन जिले के पुलिस कप्तान संदीप कुमार मीणा स्व शोभित पांडेय के पैतृक आवास विश्वनाथपुर गांव पहुंचे। श्री मीणा ने दिवंगत पत्रकार के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके श्रद्धा सुमन समर्पित किया। पुत्र वियोग से द्रवित पिता लालजी और उनकी धर्मपत्नी को सांत्वना देते पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीणा खुद भावुक हो उठे। रूंधे गले से परिवार के हर सुख दुख में खुद के साथ साथ पुलिस और प्रशासन के खड़े रहने का भरोसा दिलाया। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस विभाग की तरफ से दिवंगत पत्रकार के परिजनों को 5 लाख 51 हजार रुपए की नकद सहायता राशि भी भेंट किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि स्व शोभित पांडेय एक निर्भीक और समर्पित पत्रकार थे। समाज के शोषित, पीड़ित और प्रताड़ित तबके की बुलंद आवाज थे। उन्होंने पुलिस विभाग के अच्छे कार्यों को जहां प्रमुखता दी वहीं विभाग की कमियों को भी उजागर करके पुलिस विभाग को उसमें सुधार लाने का मौका दिया। स्व पांडेय जी पुत्री ने परिवार के रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए ना को किसी विभाग में नौकरी दिलाने की मांग किया। जिस पर श्री मीणा ने जिलाधिकारी से वार्ता करके जल्द ही सकारात्मक परिणाम देने का भरोसा दिया। पीड़ित पुत्री को पिता के सपनों को पूरा करने के लिए हर सहयोग और प्रेरणा देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने पुलिस प्रशासन के साथ साथ सभी पत्रकारों और समाज के प्रतिष्ठित समुदाय से भी पीड़ित परिवार के साथ खड़े होने की अपील किया। जिले के पुलिस कप्तान ने पीड़ित परिवार के साथ खड़े होकर पुलिस का वह मानवीय चेहरा प्रस्तुत किया जिसके लिए पत्रकार समुदाय के साथ ही क्षेत्र के लोग भी सैल्यूट करते नजर आ रहे हैं। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता केडी यादव ने भी मौके पर पहुंच कर दिवंगत पत्रकार को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ ही परिवार को सांत्वना देते हुए आर्थिक सहायता भेंट किया। परिवार के हर सुख दुख में साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। इस दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी धनघटा अभय नाथ मिश्रा, इंस्पेक्टर महुली हरेंद्र पाठक, इंस्पेक्टर खलीलाबाद जय प्रकाश दुबे, वरिष्ठ पत्रकार विजय मिश्रा, अरुण शाही, राजेश कुमार, उज्जवल तिवारी, धनुधर पांडेय, आनंद पांडेय, अकरम खान, नियाज अहमद, विनोद दुबे, खगेन्द्र मिश्रा, लालचंद दुसाध सहित तमाम पत्रकारों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

रजिस्ट्री कार्यालय के उद्घाटन के दौरान हुआ हंगामा, अधिवक्ताओं और भाजपा कार्यकर्ताओं में धक्कामुक्की



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। गोवर्धन तहसील परिसर में रजिस्ट्री कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान उस समय हंगामे की स्थिति पैदा हो गई, जब भाजपा कार्यकर्ताओं और अधिवक्ताओं के बीच विवाद हो गया। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ताओं ने भाजपा कार्यकर्ताओं का विरोध शुरू कर दिया। विरोध बढ़ने पर अधिवक्ताओं ने भाजपा कार्यकर्ताओं को धक्के देकर तहसील परिसर से बाहर निकाल दिया। रजिस्ट्री कार्यालय के उद्घाटन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं को अधिवक्ताओं के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। अधिवक्ताओं ने कार्यकर्ताओं के तहसील परिसर में रहने का विरोध करते हुए उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस दौरान धक्का-मुक्की होने से परिसर में हंगामे की स्थिति बन गई। गोवर्धन तहसील में हुई इस घटना के दौरान रजिस्ट्री कार्यालय का उद्घाटन कार्यक्रम भी चर्चा में आ गया। उद्घाटन के मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं और अधिवक्ताओं के बीच बने विवाद ने पूरे कार्यक्रम का माहौल बदल दिया।

अंतरराष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम सम्पन्न

नशा मुक्ति को लेकर बच्चों ने ली शपथ



वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। अल्हाज मुंशीदार फातिमा किसान इन्टरकालेज गड्सरपार में गुरुवार को संयुक्त जिलाचिकित्सालय खलीलाबाद एनसीडी क्लिनिक के अधिकारियों व कर्मचारियों के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नियंत्रण तम्बाकू मुक्त युवा अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डाक्टर एस त्रिपाठी ने विद्यालय के सभी वेहतर/छात्राओं व शिक्षक व शिक्षिकाओं को ओरल हेल्थ, मुख के कैंसर एवं तम्बाकू के दुष्प्रभाव के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी साथ ही लोगों को तम्बाकू का उपयोग न करने की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर कुलदीप पासवान के अलावा प्रधानाचार्य मोहम्मद खालिद खान, मोहम्मद अयूब, मीनाक्षी श्रीवास्तव, विन्दा देवी, सौरभ कुमार, प्रभंजनाथ चौरसिया, सिकन्दर कुमार, रिया गौतम आदि शिक्षक/शिक्षिकाओं के अलावा छात्र/छत्राएँ उपस्थित रहीं।

शुद्ध मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूती का आधार: डॉ. अखिलेश कुमार यादव

सोनई के राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज में निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशन एवं मतदाता जागरूकता अभियान के क्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज, सोनई में विद्यार्थियों के मध्य ह्यशुद्ध मतदाता सूची का महत्वह्न विषय पर निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में मतदाता सूची की शुद्धता, मतदाता पंजीकरण, मतदान के अधिकार तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना रहा।

निबंध प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने ह्यशुद्ध मतदाता सूची का महत्वह्न विषय पर अपने विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने अपने निबंधों में बताया कि लोकतंत्र की सफलता के लिए मतदाता सूची का सही, अद्यतन एवं त्रुटिरहित होना अत्यंत आवश्यक है। वहीं क्विज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों से निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता अधिकार, मतदाता सूची, भारत निर्वाचन आयोग तथा मतदान से संबंधित प्रश्न पूछे गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अखिलेश कुमार यादव ने कहा कि शुद्ध मतदाता सूची निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय निर्वाचन की आधारशिला है। प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना और उसमें दर्ज विवरण का सही होना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में निर्वाचन एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ विकसित करना समय की आवश्यकता है। विद्यार्थी अपने परिवार एवं समाज में मतदाता जागरूकता के संदेशवाहक बनकर लोगों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने, विवरण की शुद्धता जांचने तथा मतदान के महत्व के प्रति जागरूक कर सकते हैं। कार्यक्रम में शिक्षिकाओं एवं शिक्षकों दीप्ति वार्ष्णेय, पूनम सिंह, शिवा शर्मा, पूजा सिंह, उमेश कुमार, मोहित कृष्णा एवं गुलाब सिंह ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों रेहान, शिवम, देवेंद्र, अक्षरा, प्रवीण, पूजा, नंदिनी, नेहा, अल्जिया, राधा एवं मोहित ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता के माध्यम से लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं तथा जागरूक मतदाता बनने का संकल्प लिया। प्रधानाचार्य डॉ. अखिलेश कुमार यादव ने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के मतदाता और लोकतंत्र के प्रहरी हैं। उनमें संवैधानिक मूल्यों एवं लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों की समझ विकसित करना शिक्षा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया। विद्यालय परिवार ने भविष्य में भी मतदाता साक्षरता एवं लोकतांत्रिक जागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

बच्चों की जान से खिलवाड़ ! निजी वाहनों में भूसे की तरह भरकर स्कूल पहुंचाए जा रहे नौनिहाल

मेरठ-बदायूं हाईवे पर बरौली गांव के सामने स्थित विद्यालय में खुलेआम नियमों की अनदेखी, निजी वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर किया जा रहा परिवहन

वेलकम इंडिया संवाददाता



शिकारपुर (बुलंदशहर)। बच्चों की सुरक्षा को लेकर सरकार और प्रशासन की ओर से तमाम दावे किए जाते हैं, लेकिन शिकारपुर ब्लॉक क्षेत्र में कुछ स्कूल संचालकों की कथित लापरवाही इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। यहां नौनिहालों की सुरक्षा को ताक पर रखकर उन्हें निजी वाहनों में क्षमता से अधिक संख्या में बैठाकर स्कूल लाने और ले जाने का मामला सामने आया है। कमर्शियल स्कूल वाहनों के स्थान पर निजी वाहनों का इस्तेमाल किया जा रहा है और बच्चों को भूसे की तरह भरकर सड़कों पर दौड़ाया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि मेरठ-बदायूं हाईवे पर बरौली गांव के सामने स्थित एक विद्यालय में खुलेआम निजी वाहनों के माध्यम से बच्चों को स्कूल पहुंचाया जा रहा है। वाहनों में बच्चों की संख्या और उनकी सुरक्षा के इंतजामों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि जिस उम्र में बच्चों को सुरक्षित माहौल मिलना चाहिए, उस उम्र में उनकी जान जोखिम में डालकर उन्हें विद्यालय तक पहुंचाया जा रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह समस्या केवल एक विद्यालय तक सीमित नहीं है। शिकारपुर ब्लॉक क्षेत्र के कई अन्य विद्यालयों में भी बच्चों को लाने और ले जाने के लिए निजी वाहनों का इस्तेमाल किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इसके बावजूद संबंधित विभागों की ओर से प्रभावी जांच और कार्रवाई होती दिखाई नहीं दे रही है। लोगों का आरोप है कि स्कूल संचालक परिवहन संबंधी नियमों की अनदेखी कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। निजी वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर सड़क पर दौड़ाना किसी बड़े हादसे को निमंत्रण देने जैसा है। यदि वाहन अचानक अनियंत्रित हो जाए, ब्रेक फेल हो जाए या रास्ते में कोई दुर्घटना हो जाए तो उसमें सवार मासूम बच्चों की जान पर बन सकती है। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है।

विद्यालयों की जिम्मेदारी केवल बच्चों को शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित तरीके से विद्यालय लाने और घर पहुंचाने की व्यवस्था करना भी है। इसके लिए निर्धारित परिवहन नियमों और सुरक्षा मानकों का पालन करना आवश्यक है। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल शिक्षा विभाग और परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहा है। क्या जिम्मेदार अधिकारियों को विद्यालयों में इस्तेमाल किए जा रहे वाहनों की जानकारी नहीं है, या फिर शिकायतों के बावजूद जानबूझकर अनदेखी की जा रही है? आखिर बच्चों की सुरक्षा से जुड़े इतने गंभीर मामले में अब तक प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की गई? अभिभावकों और क्षेत्रीय लोगों ने जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग तथा परिवहन विभाग से मामले का तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। उन्होंने संबंधित विद्यालयों में जांच अभियान चलाने, बच्चों को ले जाने वाले वाहनों के दस्तावेजों एवं सुरक्षा मानकों की जांच कराने और नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूल संचालकों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने की मांग उठाई है। लोगों का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। प्रशासन को किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार करने के बजाय समय रहते कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि मासूम बच्चों की जिंदगी सुरक्षित रह सके।

चुनाव चर्चा विधानसभा गोवर्धन...

गोवर्धन में भाजपा टिकट की दावेदारी पर उठे सवाल, एक ही समाज के चेहरों तक क्यों सिमट रही उम्मीद?

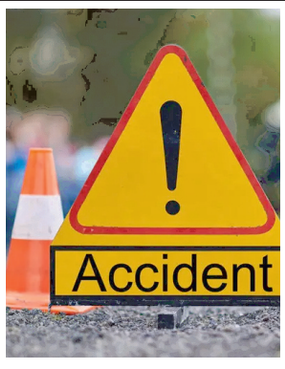
मनोज शर्मा/वेलकम इंडिया



मथुरा। विधानसभा चुनाव में अभी समय है, लेकिन गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की टिकट को लेकर राजनीतिक चचाएं तेज होने लगी हैं। संभावित दावेदारों के नामों के बीच अब यह सवाल भी उठने लगा है कि आखिर टिकट की दावेदारी एक ही समाज के इर्द-गिर्द क्यों घूमती नजर आ रही है? गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र सामाजिक विविधता वाला क्षेत्र है, जहां विभिन्न समाजों के लोग लंबे समय से भाजपा संगठन और राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते आए हैं। बूथ स्तर से लेकर चुनावी गतिविधियों तक अलग-अलग समाजों के कार्यकर्ताओं की भागीदारी रहती है। इसके बावजूद टिकट की दौड़ में बार-बार एक ही समाज के चेहरों के नाम सामने आने से अन्य समाजों के कार्यकर्ताओं और संभावित दावेदारों में चर्चा शुरू हो गई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि प्रत्याशी चयन में जातीय समीकरण महत्वपूर्ण जरूर हैं, लेकिन केवल इसी आधार पर फैसला करना उचित नहीं है। क्षेत्र में जनाधार, जनता के बीच स्वीकार्यता, संगठन के प्रति समर्पण और कार्यकर्ताओं से जुड़ाव जैसे पहलुओं को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। अब देखना होगा कि भाजपा गोवर्धन विधानसभा में पुराने राजनीतिक समीकरणों पर भरोसा जताती है या अन्य समाजों के किसी योग्य और मजबूत चेहरे को भी मौका देने पर विचार करती है। फिलहाल पार्टी की टिकट को लेकर उठ रहा यह सवाल राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है कि जब सभी समाजों की भागीदारी है तो दावेदारी का दायरा सीमित क्यों दिखाई दे रहा है?

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार दो युवक गम्भीररूप से घायल, एक की मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के मगहर पुलिस चौकी अंतर्गत नेशनल हाइवे स्थित इंडियन पेट्रोल पंप के पास गोरखपुर से खलीलाबाद की तरफ जारहे बाई सवार दो युवकों को अज्ञात चार पहिया वाहन ने जोड़दार टक्कर मार दी। जिससे दो बाइक सवार युवक सड़क पर गिरकर गम्भीररूप से घायल होगये। सूचना पर पहुंची मगहर पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर घायल युवकों को एम्बुलेंस के माध्यम से संयुक्त जिला चिकित्सालय खलीलाबाद भेज दिया। जहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत जोगयी।

चौकी इंचार्ज विनोद यादव ने बताया कि बाइक सवार दोयुवकों के दुर्घटना में घायल जोन की सूचना मिलते ही हमराही सिपाहियों के साथ दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर घायल बाइक सवार दोनों युवकों को एम्बुलेंस के माध्यम से इलाज हेतु संयुक्त जिला चिकित्सालय खलीलाबाद भेजवा दिया गया है। जहां एक युवक की जिलाज के दौरान मौत होगई। आगे बताया कि गुरुवार की दुभ करीब 7.30बजे एक बाइक पर सवार दो युवक अमन कसेरा पुत्र शोभित कसेरा निवासी 23वर्ष नूर मस्जिद भितवा टोला थाना कोतवाली खलीलाबाद व नितिन पुत्र अज्ञात निवासी गोलबाजार थाना कोतवाली खलीलाबाद जो गोरखपुर से खलीलाबाद की तरफ जारहे थे।जैसे ही वे मगहर पुलिस चौकी अंतर्गत नेशनल हाइवे स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास पहुंचे ही थे कि किसी अज्ञात चार पहिया वाहन ने बाइक में जोड़दार टक्कर मार दी जिससे वे गिरकर गम्भीररूप से घायल हो गए। जिन्हें सम्बुलेंस के माध्यम से जिलाज हेतु संयुक्त जिला चिकित्सालय खलीलाबाद भेजवा दिया गया। जहां अमन कसेरा पुत्र शोभित कसेरा की इलाज के दौरान मौत होगई। जबकि गम्भीररूप से घायल नितिन पुत्र अज्ञात की गम्भीर हालत को देखते हुये मेडिकल कालेज गोरखपुर रिफर कर दिया गया है।सूचना पर परिजन भी पहुंच गये हैं। शव को कब्जे में लेकर पंचनामे के बाद पोस्टमार्टम की कारवाई कीजारही है।

धनतेरस पर प्रवीण चन्द्र पाण्डेय ने दीं प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण चन्द्र पाण्डेय ने धनतेरस के पावन पर्व पर समस्त प्रदेशवासियों, जनपदवासियों एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि धनतेरस का पर्व भारतीय संस्कृति और परंपरा में विशेष महत्व रखता है। यह पर्व भगवान धन्वंतरि की आराधना और मां लक्ष्मी एवं भगवान कुबेर की पूजा-अर्चना का पावन अवसर है। मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा और विश्वास के साथ पूजा करने से घर-परिवार में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। उन्होंने कहा कि धनतेरस केवल धन और वैभव का पर्व नहीं है, बल्कि यह अच्छे स्वास्थ्य, सकारात्मकता, खुशहाली और समृद्ध जीवन का संदेश भी देता है। भगवान धन्वंतरि से सभी के उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना करनी चाहिए। साथ ही दीपावली के इस पावन उत्सव को आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने कामना की कि धनतेरस का यह शुभ अवसर हर घर में खुशियों का दीप जलाए और प्रत्येक परिवार के जीवन में उन्नति, सुख-समृद्धि एवं सौभाग्य लेकर आए। उन्होंने सभी से त्योहार को हर्षोल्लास, आपसी सद्भाव और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने पुनः सभी प्रदेशवासियों को धनतेरस की हार्दिक बधाई देते हुए उनके सुखमय, मंगलमय एवं समृद्ध जीवन की कामना की।

युवा नेता व समाजसेवी विकास चौधरी ने धनतेरस पर्व की जनपदवासियों को दी शुभकामनाएं

वेलकम इंडिया संवाददाता



सन्तकबीरनगर। युवा नेता व समाजसेवी विकास चौधरी ने जनपदवासियों को धनतेरस पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा है कि धनतेरस से पांच दिन तक चलने वाले दीपावली पर्व की शुरूआत हो जाती है। इस दिन धन, समृद्धि और ऐश्वर्य के लिए धन के देवता कुबेर के साथ-साथ आरोग्य के लिए भगवान धन्वंतरि की पूजा की जाती है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील किया है कि हमारे उत्तर प्रदेश के स्थानीय कुम्हारों,शिल्पकारों जैसे हुनरमंदों और महिला समूहों,छोटे व्यवसायियों से दिया एवं अन्य सामानों को क्रय कर उनकी दीवाली भी खुशहाल बनायें। उन्होंने ने धनतेरस पर प्रदेशवासियों के जीवन में सुख,समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि धनतेरस का त्यौहार सबके जीवन में खुशहाली और आरोग्य लेकर आए। उन्होंने कहा कि त्योहारों की खुशियां तभी सार्थक होंगी, जब समाज के हर वर्ग के चेहरे पर मुस्कान आएगी। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर हम आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने सभी से सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाने की अपील भी की।

रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने बिखेरी प्रतिभा की छटा, ग्रीन हाउस रहा प्रथम

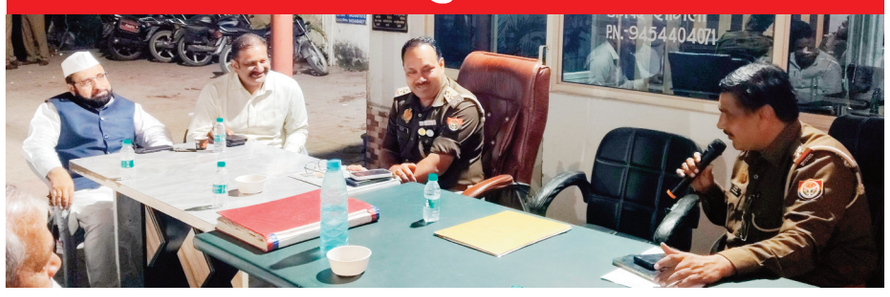
दीपावली के उल्लास में सजीं आकर्षक रंगोलियां, चार सदनों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक किया प्रतिभाग

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। दीपावली के पावन पर्व को लेकर रामस्वरूप रामदुलारी सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अंतर- सदनीय रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चार नवंबर को आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यालय के येलो, ग्रीन, रेड और ब्लू हाउस के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग कर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगे रंगों और आकर्षक कलाकृतियों से सजी रंगोलियों ने दीपावली के उत्सव को और भी खास बना दिया।विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक सोच और कल्पनाशीलता के माध्यम से विभिन्न विषयों पर मनमोहक रंगोलियां तैयार कीं। रंगों के सुंदर संयोजन और आकर्षक डिजाइन के जरिए भारतीय संस्कृति, परंपरा और दीपावली के उल्लास को दर्शाया गया। प्रतियोगिता में ग्रीन हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि ब्लू हाउस दूसरे और येलो हाउस तीसरे स्थान पर रहा। कार्यक्रम का संयोजन इवेंट कोऑर्डिनेटर टीना प्रजापति के निर्देशन में किया गया। आयोजन को सफल बनाने में चारों सदनों के प्रभारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इनमें ब्लू हाउस से अंशु वर्मा, ग्रीन हाउस से वैभव सक्सेना, रेड हाउस से संजीता सिंह और येलो हाउस से मोहित अवस्थी ने सहयोग किया।प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में अवंतिका, विजय अग्रवाल, अनीता शर्मा और अनिल शर्मा शामिल रहे। निर्णायकों ने रंगोलियों की कलात्मकता, रंगों के तालमेल, रचनात्मकता और प्रस्तुतीकरण के आधार पर मूल्यांकन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सौरभ वार्ष्णेय ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां बच्चों की छिपी प्रतिभा को सामने लाने के साथ उनमें आत्मविश्वास और सृजनात्मकता का विकास करती हैं। साथ ही भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना भी मजबूत होती है। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों और आयोजन में सहयोग करने वाले आचार्यों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में कला के प्रति रुचि बढ़ाने और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करना रहा।

त्योहारों पर शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील, बाजारों में सुरक्षा बढ़ाने की मांग



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। आगामी दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज के त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए गुरुवार शाम थाना प्रांगण में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में थाना प्रभारी निरीक्षक ने लोगों से आपसी सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने की अपील की।थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने कहा कि सभी लोग त्योहारों को आपसी प्रेम और सद्भाव के साथ मनाएं तथा एक-दूसरे के धर्म और भावनाओं का सम्मान करें। उन्होंने लोगों से अपने प्रतिष्ठानों और आवासों के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगवाने की अपील की, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सके। उन्होंने बैठक में मौजूद लोगों से त्योहारों के दौरान आने वाली समस्याओं और सुझावों की जानकारी भी ली।इस दौरान पालिका अध्यक्ष नजमुल इस्लाम ने कहा कि त्योहारों के समय बाजारों में भीड़ बढ़ जाती है। ऐसे में बाजारों में पुलिस सुरक्षा बढ़ाई जाए और यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए। उन्होंने वाहन चेकिंग के दौरान मजदूर वर्ग के लोगों को अनावश्यक परेशानी से बचाने की मांग भी की। बैठक में मौजूद लोगों ने त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने में पुलिस प्रशासन को सहयोग देने का भरोसा दिलाया। इस दौरान उपनिरीक्षक अमित कुमार, मुनेंद्र कुमार नफीस अहमद, ओंकार नाथ पांडे रामकिशन, वकील जंग, सचिन गोयल, बबला प्रधान,सहित आदि मौजूद रहे।

चंदिया हजारा की टीम ने दो गोल दागकर दर्ज की शानदार जीत, मोहन राय बने मैन ऑफ द मैच

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चंदिया हजारा में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में स्थानीय खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग करते हुए मैदान पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुकाबले में स्वामी विवेकानंद स्पोर्ट्स क्लब चंदिया हजारा की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए दो गोल दागकर जीत हासिल की।जानकारी के अनुसार, पांच नवंबर को आयोजित मुकाबले में स्वामी विवेकानंद स्पोर्ट्स क्लब चंदिया हजारा और खालसा क्लब गोमती गुरुद्वारा की टीमों के बीच खेल हुआ। मैच की शुरूआत से ही दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करने के लिए पूरा जोर लगाया। खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दोनों ओर से गोल करने के प्रयास किए गए, लेकिन स्वामी विवेकानंद स्पोर्ट्स क्लब चंदिया हजारा के खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल और खेल कौशल का परिचय देते हुए दो गोल दागे और मुकाबला अपने नाम कर लिया। प्रतियोगिता में मोहन राय के प्रदर्शन को सराहनीय माना गया। उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। आयोजकों की ओर से मोहन राय को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।इस दौरान मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान वासुदेव कुंड और विशिष्ट अतिथि ग्राम पंचायत अधिकारी प्रेम शंकर मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, मेहनत और आपसी भाईचारे की सीख देते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की प्रतियोगिताओं से स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में दिगंबर हलधर सहित अन्य लोगों ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। आयोजन के संचालन में अमेश कुमार और विजय सरकार की भूमिका रही।इस अवसर पर कमलजीत सिंह, परमजीत सिंह, दिगंबर हलधर, रविंद्रनाथ सरकार, प्रवीर सरकार, प्रमोद मिश्री, मिथुन मंडल, निरंजन मंडल, कौशल मंडल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बासुपुर में दौड़ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन, युवाओं ने दिखाया दमखम

राजकुमार राजू ने फीता काटकर किया शुभारंभ, 1600 मीटर में गोला के अलील ने मारी बाजी

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



गोरा/पीलीभीत। थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के ग्राम बासुपुर में युवाओं की दौड़ कमेटी की ओर से भव्य दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में स्थानीय गांवों के साथ दूरदराज के क्षेत्रों से पहुंचे युवाओं ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों के बीच जीत को लेकर जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। वहीं प्रतियोगिता का रोमांच देखने के लिए हजारों की संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मैदान में जुटे।कार्यक्रम का शुभारंभ 129 विधानसभा क्षेत्र के सपा नेता राजकुमार उर्फ राजू ने फीता काटकर किया। इसके बाद अलग-अलग वर्गों में दौड़ प्रतियोगिताएं शुरू हुईं। मैदान में दौड़ते युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। दर्शकों ने तालियों और उत्साहवर्धन के साथ खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।प्रतियोगिता की सबसे आकर्षक 1600 मीटर दौड़ में ग्राम गोला निवासी अलील ने अपनी रफ्तार और दमदार प्रदर्शन से प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। गोला के ही अंकित कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं 800 मीटर दौड़ में भी अंकित कुमार ने दूसरा स्थान हासिल कर अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया।प्रतियोगिता के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आयोजक कमेटी की ओर से ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर विजेता खिलाड़ियों के चेहरे खिल उठे। ग्रामीणों ने भी खिलाड़ियों की सराहना करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता कराने का उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराना और युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में प्रतिस्पर्धा की भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास बढ़ता है।इस दौरान कमेटी अध्यक्ष अमीरु रहमान, हासिम खां, मुकीम, अनीश, दानिश खां और हसनैनुद्दीन खां,सपा नेता नोमान बारसी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। आयोजन को सफल बनाने में कमेटी के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। अंत में आयोजकों ने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों और दर्शकों का आभार जताया।

एएनएम कर्मचारियों के साथ बैठक आयोजित, चिकित्सक ने दिए जरूरी दिशा निर्देश



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। नगर के सरकारी अस्पताल के सभागार में चिकित्सा प्रभारी ने धरना समाप्त कर काम पर लौटीं एएनएम महिला कर्मचारियों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में आगामी कार्यों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही शासन की ओर से संचालित ई-कवच कार्यक्रम के तहत कार्य करने और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। गुरुवार को आयोजित बैठक में चिकित्सा प्रभारी रजत चौहान ने ने सभी एएनएम कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की ओर से चलाई जा रही स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाया जाए। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं, बच्चों और अन्य जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए।बैठक में सरकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने और विभागीय कार्यों को जिम्मेदारी के साथ पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया। चिकित्सा प्रभारी ने बताया कि सभी एएनएम कर्मचारियों के साथ बैठक कर आगामी कार्यों की जानकारी दी गई है और शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

तीन साल से चकबंदी प्रक्रिया में फंसा गैड़ाखोर गांव, ग्रामीणों ने जताया विरोध

चौपाल में अधिकारियों के सामने रखीं आपत्तियां, ग्रामीणों ने लिखित बयान सौंपकर चकबंदी प्रक्रिया रोकने की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता



सिद्धार्थनगर। जनपद के खेसरहा क्षेत्र की गैड़ाखोर ग्राम पंचायत में पिछले तीन वर्षों से चल रही चकबंदी प्रक्रिया को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने चकबंदी की आवश्यकता पर सवाल उठाते हुए इसका विरोध किया है। गुरुवार को पंचायत भवन में आयोजित चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने अधिकारियों के सामने अपनी समस्याएं और आपत्तियां रखीं। साथ ही लिखित बयान सौंपकर गांव में चकबंदी प्रक्रिया नहीं कराए जाने का अनुरोध किया। उपजिलाधिकारी बांसी विश्वामित्र सिंह और चकबंदी विभाग की बंदोबस्त अधिकारी रानी गरिमा जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि गांव में वर्ष 2023 से चकबंदी की प्रक्रिया चल रही है, जबकि गांव के किसी भी ग्रामीण ने इसके लिए लिखित आवेदन नहीं किया था। ऐसे में ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब गांव में चकबंदी की मांग ही नहीं की गई तो इस प्रक्रिया को शुरू करने की आवश्यकता क्यों पड़ी? ग्रामीणों ने अधिकारियों को बताया कि गैड़ाखोर ग्राम पंचायत में सेमरहना, गैड़ाखोर और परसा बुजुर्ग नाम के तीन गांव शामिल हैं। इनमें परसा बुजुर्ग गैर आबाद है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान में गांव में सरकारी और सार्वजनिक उपयोग की पर्याप्त जमीन उपलब्ध है। पंचायत भवन, पेयजल व्यवस्था, सुलभ शौचालय और राशन वितरण केंद्र सहित कई सरकारी भवन पहले से बने हुए हैं। इसके अलावा खेतों तक पहुंचने के लिए चकरोड और चकनाली की भी पर्याप्त व्यवस्था है। ऐसे में गांव की मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए चकबंदी की कोई विशेष आवश्यकता नहीं दिखाई देती। चौपाल में ग्रामीणों ने चकबंदी के दौरान होने वाली सरकारी कटौती को लेकर भी चिंता जताई। उनका कहना था कि गांव में कई ऐसे गरीब किसान हैं, जिनके पास पहले से ही सीमित कृषि भूमि है। यदि चकबंदी के दौरान जमीन की कटौती होती है तो उनके पास बची थोड़ी-बहुत जमीन भी कम हो सकती है। इससे छोटे और सीमांत किसानों की आजीविका प्रभावित होने की आशंका है। ग्रामीणों ने पड़ोसी गांव का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां पिछले वर्ष चकबंदी के दौरान किसानों की जमीन में अधिक कटौती हुई थी। इसके परिणामस्वरूप कई ग्रामीण भूमि संबंधी विवादों और मुकदमेबाजी में उलझ गए। ग्रामीणों का कहना था कि वे अपने गांव में भी ऐसी स्थिति पैदा नहीं होने देना चाहते। ग्रामीणों ने चौपाल में अधिकारियों से आग्रह किया कि उनकी आपत्तियों और गांव की वास्तविक परिस्थितियों को गंभीरता से देखते हुए चकबंदी प्रक्रिया पर पुनर्विचार किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि गांव में पहले से उपलब्ध सार्वजनिक सुविधाओं और खेतों तक पहुंचने के लिए पर्याप्त रास्तों को देखते हुए चकबंदी कराने की आवश्यकता नहीं है। ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लिखित रूप में अधिकारियों को सौंपते हुए चकबंदी प्रक्रिया रोकने का अनुरोध किया। अब देखना होगा कि प्रशासन ग्रामीणों की आपत्तियों और मांगों पर क्या निर्णय लेता है।

पूरनपुर के पांचों मंडलों में लेखराज भारती ने कार्यकताओं को बांटे दीपावली के उपहार

कार्यकताओं के सम्मान और संगठन की मजबूती का दिया संदेश, सैकड़ों कार्यकताओं के साथ साझा कीं खुशियां





वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

पूरनपुर/पीलीभीत। दीपावली के पावन पर्व पर भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती ने पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के पांचों मंडलों के कार्यकताओं के साथ त्योहार की खुशियां साझा कर संगठन में आपसी प्रेम, विश्वास और समर्पण का संदेश दिया। इस दौरान बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र संयोजकों,मंडल पदाधिकारियों और पार्टी के समर्पित कार्यकताओं को दीपावली के उपहार एवं मिष्ठान वितरित कर उन्हें पर्व की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकताओं की मौजूदगी रही।कार्यक्रम का आयोजन कजरी निरंजनपुर स्थित पंडित राजेंद्र प्रसाद स्मारक ऑफ फामेर्सी में किया गया। यहां पहुंचे कार्यकताओं का आत्मीय स्वागत किया गया। दीपावली के उपहार पाकर कार्यकताओं के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल त्योहार की शुभकामनाएं देना ही नहीं, बल्कि संगठन के लिए लगातार मेहनत करने वाले कार्यकताओं के प्रति सम्मान और अपनत्व प्रकट करना भी रहा।इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है और इसकी मजबूती के पीछे करोड़ों समर्पित कार्यकताओं का परिश्रम है। बूथ अध्यक्ष से लेकर शीर्ष नेतृत्व तक प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ हैं और उनका सम्मान करना हमारी जिम्मेदारी है। कार्यकताओं के सुख-दुख में साथ खड़ा होना तथा उनके योगदान को पहचान देना ही सच्चे संगठनात्मक संस्कार हैं।उन्होंने कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति पद या प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि कार्यकताओं के आपसी विश्वास, निष्ठा और समर्पण से बनती है। जब कार्यकर्ता स्वयं को संगठन का अभिन्न हिस्सा महसूस करता है तो उसकी ऊर्जा और उत्साह कई गुना बढ़ जाता है। दीपावली जैसे पर्व आपसी भाईचारे और आत्मीयता को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं।कार्यक्रम में मेडिकेयर हॉस्पिटल के एमडी अमित मिश्रा, सुल्तानपुर मंडल अध्यक्ष मनोज वर्मा, रामनगर शारदापार मंडल अध्यक्ष विजय सिंह, जिला कार्यसमिति सदस्य अमित मिश्रा, गन्ना सहकारी समिति के अध्यक्ष नितिन दीक्षित सहित पांचों मंडलों के पदाधिकारी एवं सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरकारी अस्पताल प्रकरण में बढ़ा विवाद, एएनएम ने चिकित्सा प्रभारी का किया समर्थन

उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कराने की मांग, तहरीर पर पुलिस कर रही जांच



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। नगर के सरकारी अस्पताल का विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। मामले में पुलिस दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर जांच कर रही है। गुरुवार को अस्पताल के सभागार में दर्जनों एएनएम एकत्र हुईं और चिकित्सा प्रभारी पर लगाए गए आरोपों को बेबुनियाद और निराधार बताते हुए उनका समर्थन किया। एएनएम ने उच्च अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।बता दें कि चिकित्सक प्रभारी रजत चौहान ने एक स्टाफ नर्स पर मनमानी ढंग से कार्य करने का आरोप लगाया था। साथ ही स्टाफ नर्स के भाई पर फोन पर अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी थी। वहीं, स्टाफ नर्स ने चिकित्सा प्रभारी सहित तीन लोगों के खिलाफ तहरीर देकर कई गंभीर आरोप लगाए थे।गुरुवार को अस्पताल में एकत्र हुई एएनएम ने कहा कि चिकित्सा प्रभारी पर लगाए गए आरोप निराधार हैं। जरूरत पड़ने पर वे अपनी बात उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने से भी पीछे नहीं हटेंगी। एएनएम मंजू ने बताया कि चिकित्सा प्रभारी सरल स्वभाव के व्यक्ति हैं। उन पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। वहीं, स्टाफ नर्स से उनका पक्ष जानने के लिए फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

भूमि अर्जन कानून 2013 के उल्लंघन के खिलाफ किसानों में उबाल, आंदोलन का ऐलान

शास्त्रीघाट पर किसान अधिकार सभा में विभिन्न विकास योजनाओं से प्रभावित किसानों ने भरी हुंकार, 15 दिन का दिया अल्टीमेटम; एडीएम सिटी को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। बनारस के किसानों एवं कामगारों की जमीन, रोजगार, अधिकारों और बनारसी विरासत की रक्षा को लेकर गुरुवार, 5 नवंबर को कचहरी स्थित वरुणापुल के शास्त्रीघाट पर किसान अधिकार सभा का आयोजन किया गया। किसान संघर्ष समिति के तत्वावधान में आयोजित इस सभा की अध्यक्षता किसान नेता विनय शंकर राय 'मुन्ना' ने की। सभा में वाराणसी की विभिन्न विकास एवं आवासीय योजनाओं से प्रभावित किसानों ने बड़ी संख्या में एकजुट होकर भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के कथित उल्लंघन के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया। किसानों ने स्पष्ट किया कि उनकी जमीन, आजीविका और कानूनी अधिकारों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभा में ट्रांसपोर्ट नगर, काशी द्वार, स्पोर्ट्स सिटी, वर्ल्ड सिटी एक्सपो, मेडिसिटी, विद्या निकेतन सिटी, वैदिक सिटी, रिंग रोड, डोमरी शहरी वन योजना, गंगा एवं वरुणा एलिवेटेड रोड, रामनगर मल्टीमॉडल टर्मिनल, जीटी रोड आवासीय योजना, बाबतपुर एयरपोर्ट विस्तारीकरण, रुद्र काशी टाउनशिप मढ़नी, आनंद काशी टाउनशिप कल्लीपुर और वरुणा विहार सहित विभिन्न परियोजनाओं से प्रभावित किसानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। किसानों ने अपनी समस्याओं को रखते हुए आरोप लगाया कि विकास योजनाओं के नाम पर भूमि अर्जन एवं पुनर्वास से जुड़े वैधानिक प्रावधानों का उचित तरीके से पालन नहीं किया जा रहा है। उनका कहना था कि विकास के नाम पर किसानों की जमीन और रोजगार प्रभावित हो रहे हैं, जबकि उनके अधिकारों और समस्याओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा है। सभा के मुख्य अतिथि अविनाश काकड़े ने अपने संबोधन में कहा कि बनारस के मूल निवासियों को उनकी जमीन से विस्थापित करने और पूंजीपतियों के हितों को बढ़ावा देने की साजिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों के हितों की अनदेखी कर विकास योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब बनारस के किसानों ने अपने अधिकारों की रक्षा के लिए निर्णायक संघर्ष का मन बना लिया है और इस लड़ाई को व्यापक स्तर पर ले जाया जाएगा। किसान अधिकार सभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन कानून-2013 का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित कराने, किसानों के वैधानिक अधिकारों की रक्षा करने और बनारस की सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए शासन-प्रशासन को 15 दिन का अल्टीमेटम दिया जाएगा। इस संबंध में किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम सिटी को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया। किसानों ने मांग की कि सरकार प्रभावित किसानों के साथ तत्काल बैठक करे और भूमि अर्जन एवं पुनर्वास कानून के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित कराने की स्पष्ट घोषणा करे। सभा के दौरान संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष कानून और किसानों के अधिकारों की रक्षा का संकल्प भी लिया गया। सभा में ऐलान किया गया कि यदि 15 दिनों के भीतर सरकार की ओर से किसानों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का समाधान करने तथा कानून का पालन सुनिश्चित कराने की दिशा में ठोस पहल नहीं की गई तो बनारस में व्यापक किसान आंदोलन शुरू किया जाएगा। किसान नेताओं ने कहा कि इस आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।



किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष एवं किसान नेता विनय शंकर राय 'मुन्ना' ने कहा कि किसानों की जमीन को लेकर जिस तरह की नीतियां अपनाई जा रही हैं, उससे किसानों के सामने अपनी आजीविका और भविष्य बचाने का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों की जमीन लेकर काशी में आवासीय बहुमंजिली इमारतें बेचकर मोक्ष का व्यापार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बनारस की पहचान केवल भवनों और बड़ी-बड़ी परियोजनाओं से नहीं, बल्कि यहां के मूल निवासियों, किसानों, कामगारों, संस्कृति और परंपराओं से है। इसलिए विकास के नाम पर स्थानीय लोगों के अधिकारों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। सरदार सेना के रोहनिया विधानसभा प्रभारी राजेश भाई पटेल ने कहा कि सरकार के कथित दमनकारी और अवैधानिक कृत्यों के खिलाफ किसान एवं कामगार एकजुट होकर निर्णायक आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि बनारस की जमीन, रोजगार और बनारसीयत को बचाने के लिए भूमि अर्जन एवं पुनर्वास कानून के तहत मिले अधिकारों का पालन कराना बेहद जरूरी है। किसान अधिकार सभा का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन अधिकारों को धरातल पर लागू कराना है।

दीपावली पर रामनगर में सजेगा पटाखों का बाजार, 6 से 8 नवंबर तक होगी आतिशबाजी के सामान की बिक्री

अशोक वाटिका पंचवटी रोड स्थित निर्धारित स्थल पर लगेंगी दुकानें, क्षेत्रवासियों को एक ही स्थान पर मिलेगी खरीदारी की सुविधा

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। दीपावली के पावन पर्व को लेकर रामनगर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। त्योहार को देखते हुए बाजारों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में रामनगर क्षेत्र में इस वर्ष भी परंपरा के अनुसार पटाखों का बाजार सजाया जाएगा। यहां क्षेत्रवासियों को दीपावली के अवसर पर आतिशबाजी के सामान की खरीदारी के लिए एक ही स्थान पर सुविधा उपलब्ध होगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अशोक वाटिका पंचवटी रोड स्थित रोमा बिल्डिंग के सामने निर्धारित स्थल पर पटाखों की दुकानें लगाई जाएंगी। इन दुकानों का संचालन आगामी 6, 7 एवं 8 नवंबर 2026 तक लगातार तीन दिनों के लिए किया जाएगा। इस दौरान क्षेत्र के लोग अपनी सुविधानुसार निर्धारित स्थल पर पहुंचकर दीपावली के लिए पटाखों एवं आतिशबाजी के अन्य सामान की खरीदारी कर सकेंगे। पटाखों के बाजार में इस बार निम्न दुकानदार अपनी दुकानें संचालित करेंगे।



दुकानदारों की ओर से समस्त क्षेत्रवासियों से अपील की गई है कि वे दीपावली की खरीदारी के लिए निर्धारित स्थल पर पहुंचें और अपनी जरूरत के अनुसार आतिशबाजी का सामान खरीदें। साथ ही पटाखों की खरीदारी करते समय उनकी गुणवत्ता एवं सुरक्षा संबंधी निदेशों का विशेष ध्यान रखें। पटाखों का उपयोग करते समय प्रशासन द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों और दिशा-निदेशों का अनिवार्य रूप से पालन करें, ताकि दीपावली का त्योहार सुरक्षित एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जा सके। दुकानदारों ने दीपावली के शुभ अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया है। उन्होंने सभी को दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए त्योहार को प्रेम, उल्लास और खुशियों के साथ मनाने की अपील की है।

खुर्जा की दो पनीर फैक्ट्रियों पर चार जिलों की टीम का छापा, मचा हड़कंप

दो साल से लाइसेंस निरस्त होने के बावजूद चल रही थी एक फैक्ट्री, दूसरी में भी नाम बदलकर कारोबार करने का आरोप





वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

बुलंदशहर। दिवाली के त्योहार से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने खुर्जा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो पनीर फैक्ट्रियों पर छापेमारी की। मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद और हापुड़ की खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने खुर्जा के गांव डाबर स्थित फिरोज और इमामुद्दीन के पनीर प्लांटों पर छापा मारकर भारी मात्रा में खाद्य सामग्री बरामद की। कार्रवाई के दौरान करीब 10 कुंतल पनीर, 200 किलो मावा, 175 टीन रिफाइंड तेल और 38 बोरी पाउडर बरामद किया गया।

हैरानी की बात यह रही कि चार जिलों की टीम ने संयुक्त रूप से इतनी बड़ी कार्रवाई की, लेकिन छापेमारी से पहले बुलंदशहर के खाद्य सुरक्षा विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी। सूत्रों के मुताबिक, बुलंदशहर की खाद्य सुरक्षा टीम को कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचने में देरी हुई, जिस पर मेरठ मंडल के अपर आयुक्त खाद्य विभाग विनीत कुमार ने नाराजगी जताते हुए टीम को फटकार लगाई। जांच में सामने आया कि एक पनीर फैक्ट्री का लाइसेंस करीब दो साल पहले ही निरस्त किया जा चुका था, इसके बावजूद फैक्ट्री का संचालन किया जा रहा था। वहीं दूसरी फैक्ट्री में पूर्व में लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई होने के बाद भाई के नाम पर दोबारा कारोबार शुरू किए जाने की बात सामने आई है। त्योहार से ठीक पहले हुई इस कार्रवाई से खाद्य कारोबारियों में हड़कंप मच गया। विभागीय टीम ने बरामद खाद्य सामग्री के नमूने लेकर जांच और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जौनपुर में 3,650 करोड़ रुपये से अधिक की आठ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

जौनपुर/वाराणसी। उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे और सड़क कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देने की दिशा में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार, 5 नवंबर को जौनपुर जिले के मुंगरा बादशाहपुर में आयोजित कार्यक्रम में 3,650 करोड़ रुपये से अधिक की कुल लागत वाली आठ महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण, भूमिपूजन एवं कार्य शुभारंभ किया। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के क्षेत्रीय कार्यालय, उत्तर प्रदेश (पूर्व) के अंतर्गत आने वाली इन विकास परियोजनाओं की कुल लंबाई लगभग 191.5 किलोमीटर है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने क्षेत्र के चहुंमुखी विकास और बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 3,210 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हो चुकी तीन परियोजनाओं का लोकार्पण कर उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। इनमें 1,505 करोड़ रुपये की लागत से तैयार रायबरेली-प्रयागराज चार लेन मार्ग (63 किलोमीटर), 1,078 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित जगतपुर-बाबूगंज-ऊंचाहार-आलापुर चार लेन बाईपास एवं पुल (24 किलोमीटर) तथा 627 करोड़ रुपये की लागत वाला मछलीशहर-जंघई-भदोही मार्ग (49 किलोमीटर) शामिल हैं। इसके साथ ही क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए लगभग 400 करोड़ रुपये की लागत वाली पांच नई परियोजनाओं का भूमिपूजन एवं कार्य शुभारंभ किया गया। इनमें 198 करोड़ रुपये की लागत से मुंगरा बादशाहपुर बाईपास (4 किलोमीटर), 128 करोड़ रुपये की लागत से जौनपुर शहर के कुत्तूपुर तिराहे से सराय ख्वाजा तक चार लेन सड़क का चौड़ीकरण (12 किलोमीटर), 92 करोड़ रुपये की लागत से मड़ियाहूं रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज (1.5 किलोमीटर), 33 करोड़ रुपये की लागत से लता मंगेशकर तिराहे से प्रसाद इंस्टीट्यूट तक चार लेन मार्ग (5 किलोमीटर) तथा 16 करोड़ रुपये की लागत से रामदयालगंज में सई नदी पर दो लेन पुल का निर्माण शामिल है। समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में वर्तमान में लगभग पांच लाख करोड़ रुपये के राष्ट्रीय राजमार्ग संबंधी कार्य चल रहे हैं। इनमें से एक लाख करोड़ रुपये के कार्य पूरी तरह संपन्न हो चुके हैं, जबकि तीन लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं विभिन्न प्रक्रियाओं के अधीन हैं और शेष कार्य भी प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश को विकास और प्रगति की राह पर तेजी से आगे बढ़ाना आवश्यक है। इसके लिए पानी, बिजली, दूरसंचार और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के ढांचे को मजबूत करना बेहद जरूरी है।



गुलावठी पुलिस का वारंटी अपराधियों पर शिकंजा, नौ वारंटी गिरफ्तार



वेलकम इंडिया संवाददाता

गुलावठी (बुलंदशहर)। अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और न्यायालय से जारी वारंटों का तामील कराने के उद्देश्य से बुलंदशहर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत गुलावठी पुलिस ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। पुलिस टीम ने अलग-अलग मामलों में लंबे समय से वांछित चल रहे नौ वारंटी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को उनके संबंधित ठिकानों पर दबिश देकर पकड़ा। इस कार्रवाई से क्षेत्र में वारंटी अपराधियों के बीच हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए वारंटियों में फिरोज पुत्र छिद्दू निवासी रसूलपुर, बिजेंद्र सिंह पुत्र श्रीनिवास सिंह निवासी कोटा, तेजवीर उर्फ तेजा पुत्र रंजीत एवं सतीश उर्फ सतेन्द्र पुत्र तेजवीर निवासी नया बांस मजरा महावतपुर गढ़ी, मूलचंद पुत्र हुलासी निवासी बराल, अर्जुन पुत्र विनोद निवासी सैठा, वसीम पुत्र माजिद निवासी ऐचना, रियाजुद्दीन उर्फ रज्जू पुत्र बल्ला खां निवासी चिड़ावक तथा रियाजुल पुत्र मोहम्मद अली निवासी चंदपुरा शामिल हैं। पुलिस टीम ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद उनके विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी की और न्यायालय के समक्ष पेश करने के उपरांत न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, वारंटियों और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। साथ ही कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई करने के लिए पुलिस की टीमें क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं। वारंटियों की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक आनंद कुमार, अविनाश कुमार, सुशील कुमार, धर्मवीर सिंह, उपेंद्र यादव, मुख्य आरक्षी राजीव त्यागी, मनोज कुमार, अरुण कुमार तथा आरक्षी कुलदीप सिंह और नितिन कुमार शामिल रहे।

उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी विश्व हिन्दू रक्षा परिषद: गोपाल राय

छह दिसंबर को मथुरा में 10 हजार कार्यकर्ताओं के साथ शौर्य दिवस मनाने का ऐलान, विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन तैयार करेगा अपनी रणनीति

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

लखनऊ/वाराणसी। विश्व हिन्दू रक्षा परिषद ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने की तैयारी शुरू कर दी है। संगठन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने लखनऊ स्थित परिषद के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा राजनीतिक ऐलान किया। उन्होंने कहा कि विश्व हिन्दू रक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर कट्टर सनातनी विचारधारा से जुड़े प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारेगी। संगठन प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए आवश्यक रणनीति तैयार कर रहा है। गोपाल राय ने कहा कि संगठन का उद्देश्य सनातन विचारधारा से जुड़े लोगों को राजनीतिक रूप से आगे लाना और प्रदेश की राजनीति में अपनी भूमिका मजबूत करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठन प्रदेशव्यापी स्तर पर तैयारियां करेगा और सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशियों को उतारने की दिशा में काम करेगा।

पत्रकार वार्ता में गोपाल राय ने संगठन के आगामी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि विश्व हिन्दू रक्षा परिषद आगामी 5 दिसंबर को मथुरा के लिए प्रस्थान करेगी। इसके बाद 6 दिसंबर को श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर शौर्य दिवस मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में देशभर से परिषद के लगभग 10 हजार कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को लेकर संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हुए हैं। देश के विभिन्न राज्यों से कार्यकर्ता मथुरा पहुंचेंगे और आयोजन में भाग लेंगे। पत्रकार वार्ता के दौरान गोपाल राय ने अपनी सुरक्षा व्यवस्था हटाए जाने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि उन्हें पिछले लगभग 20 वर्षों से सुरक्षा उपलब्ध कराई जा रही थी। समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में भी उन्हें सुरक्षा मिली हुई थी, जबकि उस समय उन्होंने समाजवादी पार्टी को समर्थन भी नहीं दिया था। इसके बावजूद भाजपा सरकार के कार्यकाल में उनकी सुरक्षा हटा दी गई। गोपाल राय ने आरोप लगाया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे और वर्तमान में मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के कहने पर उन्होंने कई राजनीतिक दलों के साथ बिना शर्त भाजपा को समर्थन दिया था। उनके अनुसार, समर्थन देने के लगभग एक माह बाद ही उनके दोनों सुरक्षा कर्मियों को हटा दिया गया। उन्होंने वर्ष 2019 में भाजपा को समर्थन देने के बाद सुरक्षा हटाए जाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब उन्हें लगभग दो दशक से सुरक्षा मिल रही थी तो आखिर किस आधार पर इसे समाप्त किया गया? उन्होंने कहा कि उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां मिलती रहती हैं और वर्तमान समय में भी उन्हें गंभीर खतरा बना हुआ है। ऐसे में उनकी सुरक्षा हटाया जाना कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने सरकार से अपनी सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में पुनर्विचार करने की मांग की।



पत्रकार वार्ता के दौरान बिजनौर जनपद के थाना मंडावर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मोहिउद्दीनपुर से जुड़े एक परिवार की सनातन धर्म में घर वापसी की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि मोहम्मद दिलशाद ने राजीव शर्मा, उनकी पत्नी रेहाना ने रितु तथा बेटी खुशी ने अनन्या नाम अपनाया है। विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के केंद्रीय कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय के नेतृत्व में सनातन धर्म की परंपराओं एवं विधि-विधान के अनुसार दिलशाद और उनके परिवार की घर वापसी का कार्यक्रम संपन्न कराया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। परिषद की ओर से इसे सनातन धर्म से जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर बताया गया। पत्रकार वार्ता के दौरान गोपाल राय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के विवादित नियमों को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार को इन नियमों पर पुनर्विचार करना चाहिए और इन्हें पूरी तरह वापस लेना चाहिए। उन्होंने यूजीसी के नियमों को लेकर अपनी आपत्ति जताते हुए केंद्र सरकार से तत्काल रोलबैक की मांग की। गोपाल राय ने कहा कि सरकार को ऐसे नियम लागू करने से पहले उनके प्रभावों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यूजीसी का काला कानून वापस लिया जाना चाहिए।

खुर्जा में संदिग्ध परिस्थितियों में ई-रिक्शा चालक का शव मिलने से मची सनसनी

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

खुर्जा (बुलंदशहर)। खुर्जा नगर कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब तहसील मार्ग स्थित केडीए कार्यालय के निकट एक ई-रिक्शा चालक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। सड़क किनारे शव दिखाई देने पर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।

घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। मृतक की पहचान सुरेश पुत्र यादव राम, उम्र लगभग 55 वर्ष, निवासी सेलटैक्स कार्यालय के पास के रूप में हुई है। बताया गया कि सुरेश ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनका शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। सूचना मिलते ही खुर्जा नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस द्वारा मृतक की पहचान की पुष्टि करने के साथ ही घटना से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है।

उधर, सुरेश की मौत की खबर जैसे ही परिजनों तक पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अचानक हुई इस घटना से परिवार के लोग सदमे में हैं। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। ई-रिक्शा चालक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. के.एन.मोदी विश्वविद्यालय ने यूरोपीयन इंगेजमेंट और इनफॉरमेशन सेंटर मोहाली पंजाब के साथ किया समझौता

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने एवं विद्यार्थियों के लिए वैश्विक स्तर पर शिक्षा के नए अवसरों का विस्तार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय, मोदीनगर ने यूरोपियन यूनियन एंगेजमेंट एंड इंफॉर्मेशन सेंटर (EUEIC), मोहाली, पंजाब के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन पर डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) पी. एन. हृषीकेश तथा एवएक्ट के अध्यक्ष एवं संस्थापक श्री जसमीत सैनी ने हस्ताक्षर किए।

इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत विश्वविद्यालय में विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की जाएगी।

इस रणनीतिक सहयोग का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीयकरण को प्रोत्साहित करना, यूरोपीय उच्च शिक्षा प्रणाली के प्रति जागरूकता विकसित करना, विद्यार्थियों की भाषा दक्षता एवं रोजगारपरक कौशल में वृद्धि करना, Erasmus+ कार्यक्रम के अवसरों की जानकारी प्रदान करना तथा शैक्षणिक नेटवर्किंग को बढ़ावा देना है।

इसके अतिरिक्त, इस साझेदारी के अंतर्गत यूरोपीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश हेतु मार्गदर्शन, संकाय विकास, संस्थागत सहभागिता तथा उत्कृष्टता केंद्रों के विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर भी कार्य किया जाएगा। यह पहल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अंतरराष्ट्रीय अनुभव एवं उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती है।इस' सहयोग के माध्यम से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक अवसरों से जुड़ने, वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमताओं को विकसित करने तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के अवसर प्राप्त होंगे।

समाजसेवी स्वर्गीय अनिल शर्मा को गणमान्य लोगों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भाजपा अनुसूचित मोर्चा उत्तर प्रदेश मीडिया संयोजक श्रीमती अपराजिता सिंह के ससुर एवं हिंदू युवा वाहिनी के नीरज शर्मा के बड़े भाई समाजसेवी स्वर्गीय अनिल शर्मा की अरिष्टी पर श्री लक्ष्मी नारायण मोदी मंदिर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में राजनीतिक दलों जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने भाग लेकर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पूर्व मंत्री यूपी सरकार परशुराम परिषद राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील भराला, विधायक मोदीनगर-डॉ मंजू शिवाच, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी मेरठ, चेयरमैन मोदीनगर विनोद वैशाली, अध्यक्ष निवाडी अनिल त्यागी, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सतपाल प्रधान, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा दिनेश सिंघल, पूर्व विधायक-सुदेश शर्मा, पूर्व अध्यक्ष-राम आसरे शर्मा, हिंदू युवा वाहिनी से पूर्व प्रदेश मंत्री नागेंद्र प्रताप सिंह तोमर, विवेक त्यागी निवाड़ी आदि गणमान्य लोग रहे।

अदृश्य खतरों से जंग की तैयारी, गाजियाबाद में देशभर की एसडीआरएफ टीमों ने दिखाया दमखम



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु आपदाओं जैसी अदृश्य चुनौतियों से निपटने के लिए देश के आपदा राहत बलों की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से गुरुवार को आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय एसडीआरएफ सीबीआरएन प्रतियोगिता-2026 का गुरुवार को समापन हो गया। 8वीं वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) परिसर में आयोजित तीन दिवसीय प्रतियोगिता में देश के आठ राज्यों की चयनित टीमों ने अपनी तकनीकी दक्षता, त्वरित प्रतिक्रिया और बचाव कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में तमिलनाडु एसडीआरएफ ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि उत्तराखंड दूसरे और बिहार तीसरे स्थान पर रहा। दो से चार नवंबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में शुरूआत में देश के 19 राज्यों की एसडीआरएफ टीमों ने क्षेत्रीय स्तर पर हिस्सा लिया था। इनमें से राजस्थान, बिहार, हरियाणा, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और गुजरात की आठ टीमों ने अंतिम चरण में जगह बनाई।

निष्काम भवन में 43वीं देह आरोग्यता अरदास का आयोजन, एहसास परिवार ने दीप सजावट प्रतियोगिता

उपहार और मिठाइयों के साथ बच्चों संग साझा की दीपावली की खुशियां

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। निष्काम सेवक जत्था समिति द्वारा गोविंदपुरी स्थित निष्काम भवन में प्रत्येक माह होने वाली 43वीं मासिक देह आरोग्यता अरदास का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ किया गया। दिवाली सप्ताह को विशेष रूप से समर्पित की गयी इस अरदास में इस बार सैकड़ों बच्चों को आमंत्रित कर अरदास में सहभागी बनाया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को देह आरोग्यता अरदास के महत्व से परिचित कराया गया। उन्हें बताया गया कि इस अरदास में मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने तथा दिवंगत आत्माओं की आत्मिक शांति के लिए प्रार्थना की जाती है। इसके माध्यम से बच्चों में सेवा, संवेदना और मानवता के प्रति जिम्मेदारी की भावना जागृत करने का प्रयास किया गया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मोदीनगर श्रीमती कोमल पंवार भी निष्काम भवन पहुंचीं। उन्होंने सभी बच्चों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए निष्काम व एहसास परिवार के इस संयुक्त प्रयास की मुक्त कंठ से सराहना की। इस दौरान सभी बच्चों को दीपावली के उपहार भी भेंट किए गए। कार्यक्रम में एहसास महिला समिति की सदस्यों ने विशेष सहभागिता करते हुए बच्चों के बीच दीप सजावट प्रतियोगिता आयोजित कराई।

बच्चों ने अपने हाथों उल्लेखनीय है कि ये बच्चे एहसास महिला समिति का एक महत्वपूर्ण अंग हैं। निष्काम सेवक जत्था समिति एवं एहसास महिला समिति का यह संयुक्त प्रयास दीपावली की खुशियां बांटने के साथ-साथ बच्चों में प्रेम, सद्भाव, करुणा, इंसानियत और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की एक सार्थक पहल रहा। इस दौरान निष्काम एवं एहसास समिति के समस्त पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

रोजगार मेले में 38 कंपनियों ने खोले अवसरों के द्वार, 298 युवाओं को किया शॉर्टलिस्ट

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। युवाओं को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन और संस्थान की ओर से आयोजित इस मेले में विभिन्न क्षेत्रों की 38 कंपनियों ने हिस्सा लिया। रोजगार पाने की उम्मीद लेकर पहुंचे 574 युवाओं ने साक्षात्कार दिया, जिनमें से कंपनियों ने 298 विद्यार्थियों को शॉर्टलिस्ट किया। जिला सेवायोजन अधिकारी गौतम घोष ने बताया कि रोजगार मेले का मुख्य उद्देश्य युवाओं और कंपनियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है, ताकि प्रतिभागियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता एवं कौशल के अनुसार रोजगार के अवसर मिल सकें। इस तरह के आयोजन युवाओं को सीधे कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद करने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देते हैं। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए सरकार तथा शिक्षण संस्थानों के संयुक्त प्रयास बेहद जरूरी हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान और कौशल के माध्यम से रोजगार के योग्य बनाना भी है। संस्थान के महासचिव सीए अशोक कुमार सिंघल ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के लिए कौशल विकास, व्यावहारिक ज्ञान और सकारात्मक दृष्टिकोण आवश्यक है।

रोटरी क्लब मोदीनगर का दीपावली मिलन समारोह हर्षोल्लास एवं धूमधाम से संपन्न

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। रोटरी क्लब मोदीनगर द्वारा गुरुवार को दीपावली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शैलेश वार्ष्णेय (अन्ना) एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती हिमानी वार्ष्णेय उपस्थित रहे। क्लब के सभी सम्मानित सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आपसी प्रेम, सौहार्द एवं भाईचारे के साथ दीपावली का पर्व मनाया। समारोह में अनिल सावंत, सचिन गुप्ता, रॉबिन कंसल, एन.के. सक्सेना, अनिल सेन, प्रमोद टीटू, ललित, अतुल शर्मा, हर्षित गुप्ता, आकाश गुप्ता, अंकुर गोयल सहित क्लब के अनेक रोटेरियन साथी अपनी धर्मपत्नियों एवं बच्चों के साथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गीत-संगीत, नृत्य, हास्य एवं अन्य मनोरंजक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। सभी सदस्यों एवं परिवारजनों ने मिलकर इस आयोजन को यादगार और आनंदमय बनाया। मुख्य अतिथि शैलेश वार्ष्णेय एवं श्रीमती हिमानी वार्ष्णेय का गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन मुकेश गोयल ने समारोह की सफलता पर उपस्थित सभी रोटेरियन साथियों, उनकी धर्मपत्नियों एवं बच्चों का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से अभाष कंसल, शलभ सिंघल एवं आलोक गुप्ता जी के प्रयासों, मेहनत और समर्पण की सराहना की। साथ ही अनिल सावंत सहित पूरी आयोजन टीम एवं सभी सहयोगी सदस्यों को विशेष धन्यवाद दिया। मुकेश गोयल ने कहा कि रोटरी क्लब मोदीनगर की असली ताकत सदस्यों की एकता, आपसी सहयोग, अपनापन और सेवा भावना है। ऐसे आयोजन आपसी संबंधों को और मजबूत बनाते हैं तथा परिवारों को एक-दूसरे के करीब लाते हैं।

जरूरतमंद बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाया आईटीएस का परिवर्तन क्लब



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जरूरतमंद बच्चों की मदद करना और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना सामाजिक जिम्मेदारी का अहम हिस्सा है। इसी उद्देश्य से आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के पीजीडीएम विद्यार्थियों के परिवर्तन क्लब की ओर से गुरुवार को साहिबाबाद क्षेत्र के वंचित बच्चों के लिए सहायता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके तहत 4 नवंबर को बच्चों को वस्त्र, खाद्य सामग्री और अध्ययन सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के साथ उनमें स्वच्छता, सहयोग और दूसरों की मदद करने की भावना विकसित करना रहा। डॉ. आरपी चड्ढा, चेयरमैन, आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के आशीर्वाद तथा अर्पित चड्ढा, वाइस चेयरमैन के मार्गदर्शन में आयोजित इस पहल के लिए संस्थान में 27 से 29 अक्टूबर तक तीन दिवसीय दान शिविर लगाया गया था। इसमें आईटीएस परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जरूरतमंद बच्चों के लिए विभिन्न उपयोगी वस्तुएं दान कीं। इसी सामग्री को पीजीडीएम विद्यार्थियों ने बच्चों तक पहुंचाया।

महिला पंजाबी मंच ने बुजुर्गों के साथ बिताई शाम, फिल्म दिखाकर और उपहार देकर बांटी खुशियां

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। महिला पंजाबी मंच की ओर से बुजुर्गों के प्रति सम्मान, अपनापन और स्नेह व्यक्त करने के उद्देश्य से वृद्धाश्रम में 'एक शाम बुजुर्गों के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मंच की महिलाओं ने बुजुर्गों के साथ समय बिताया और उन्हें उपहार भेंट कर खुशियां बांटीं। कार्यक्रम की संयोजक संगीता कुमार और रितु अरोड़ा रहीं। आयोजन का नेतृत्व मंच की अध्यक्ष सीमा अरोड़ा और सचिव आंचल खुराना ने किया।

कार्यक्रम में महिलाओं ने वृद्धाश्रम पहुंचकर वहां रह रहे बुजुर्गों का हालचाल जाना। उनके मनोरंजन के लिए प्रोजेक्टर के माध्यम से 'हनुमान अंश' फिल्म दिखाई गई। इसके बाद सभी बुजुर्गों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई और उन्हें मिठाई, बाटी तथा उपहार भेंट किए गए। इस अवसर पर वंदना अरोड़ा, शालिनी चौधरी, नेहा चावला, दिव्यांशा अरोड़ा, सपना भूटानी और अनुप्रीत कौर सहित मंच की अन्य सदस्याएं मौजूद रहीं।

पंजाबी मंच के अध्यक्ष ललित अरोड़ा, पवन कुमार और भूदेव अरोड़ा ने भी कार्यक्रम में सहयोग किया। आयोजन को सफल बनाने में वृद्धाश्रम के संचालक रूपचंद का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं ने बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। मंच की पदाधिकारियों ने कहा कि बुजुर्ग परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव और संस्कार आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। ऐसे आयोजनों का उद्देश्य बुजुर्गों को अपनापन महसूस कराना और उनके जीवन में खुशियां बांटना है।

नंगली साहिब की 52 वीं पावन पदयात्रा का गांव सीकरी कलां में भव्य स्वागत किया गया



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दीपावली के पावन पर्व पर दिल्ली से सदुरुधाम श्री नंगली साहिब तक निकलने वाली यह पवित्र पदयात्रा का गांव सीकरी कला में पहुंचने पर वशिष्ठ परिवार द्वारा भाव स्वागत किया गया। इस पावन पदयात्रा का शुभारंभ सन-1975 में परम पूज्य सदुरुदेव भगवान की आज्ञा एवं आशीर्वाद से हुआ था। आज यह यात्रा अपनी 52वीं वर्षगाँठ की ओर अग्रसर है। 4 नवंबर को दिल्ली से प्रारंभ होकर यह पदयात्रा 7 नवंबर को सदुरुधाम श्री नंगली साहिब पहुँचेगी। गुरुवार को यात्रा के गांव सीकरी कलां पहुंचने पर वशिष्ठ परिवार द्वारा स्वागत किया गया और यात्रा में शामिल सभी भक्तजनों को दूध जलेबी का प्रसाद ग्रहण कराया। यह केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि अटूट श्रद्धा, विश्वास और गुरुभक्ति का दिव्य संगम है इस पावन पदयात्रा की विशेषता यह है कि इसमें केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि भारत के विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालु भक्तगण बड़े उत्साह, प्रेम और श्रद्धा के साथ शामिल होते हैं। सभी भक्त अपनी-अपनी श्रद्धा और भक्ति लेकर सदुरुदेव भगवान के चरणों में शीश नवाने के लिए इस पावन यात्रा का हिस्सा बनते हैं।पूरे मार्ग में श्रद्धालु सदुरुदेव भगवान के पावन नाम का संकीर्तन करते हुए, भजन गाते हुए और गुरु महाराज की महिमा का गुणगान करते हुए आगे बढ़ते हैं। यह दरबार केवल एक स्थान नहीं, बल्कि अनगिनत भक्तों की श्रद्धा, विश्वास और समर्पण का केंद्र है। यहाँ आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु अपने हृदय में गुरु महाराज के प्रति प्रेम, विश्वास और असीम भक्ति लेकर लौटता है। विवेक मल्होत्रा ने बताया कि उनके यूट्यूब चैनल@shri-nanglisar पर यात्रा का पूरा विवरण देखा जा सकता है।

हुनर, स्वाद और उत्साह के रंगों से सजा आईटीएस का दिवाली मेला





वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज, मुरादनगर में गुरुवार को स्टूडेंट काउंसिल की ओर से दिवाली मेले का भव्य आयोजन किया गया। रोशनी के पर्व की खुशियों के बीच आयोजित इस मेले में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, उद्यमशीलता और प्रबंधन क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। मेले में खानपान से लेकर सजावटी वस्तुओं और मनोरंजक खेलों तक के स्टॉल लगाए गए। विद्यार्थियों के उत्साह और रंगारंग गतिविधियों ने पूरे परिसर को उत्सव के माहौल में रंग दिया। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना तथा उनमें टीम भावना और उद्यमशीलता विकसित करना था। मेले में फिजियोथेरेपी एवं फामेर्सी के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। चाट, भेलपुरी, सैंडविच, मोमोज और जूस के स्टॉल पर विशेष भीड़ देखने को मिली। वहीं मेहंदी, सजावटी वस्तुओं और मनोरंजक खेलों के स्टॉल भी विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र रहे। मेले का विशेष आकर्षण भागीरथ स्पेशल स्कूल के दिव्यांग बच्चों द्वारा लगाया गया स्टॉल रहा। इन बच्चों ने अपनी मेहनत और रचनात्मक सोच से तैयार हस्तनिर्मित वस्तुओं तथा आकर्षक सजावटी उत्पादों का प्रदर्शन किया। उनके हुनर को देखकर लोगों ने सराहना की। इस पहल ने मेले को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखते हुए समावेशिता और प्रतिभा को प्रोत्साहन देने का संदेश भी दिया। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को स्टॉल संचालन, आपसी समन्वय, प्रबंधन और ग्राहकों से संवाद जैसे व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुए। कॉलेज प्रबंधन की ओर से समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि विद्यार्थी शिक्षा के साथ अन्य क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा निखार सकें। कार्यक्रम का समापन डीजे पार्टी के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने संगीत और नृत्य के माध्यम से दिवाली के उत्साह को दोगुना कर दिया। सफल आयोजन पर विद्यार्थियों ने वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की ड्यूटी पर जा रहे सिपाही की सड़क हादसे में मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जानकारी के अनुसार, प्रभात शर्मा मूलरूप से मुजफ्फरनगर के नई मंडी थाना क्षेत्र की गांधी कॉलोनी के रहने वाले थे। वर्तमान में उनकी तैनाती गाजियाबाद पुलिस लाइन में रेडियो ऑपरेटर के पद पर थी। वर्ष 2025 में ही उनका उत्तर प्रदेश पुलिस में चयन हुआ था। गुरुवार को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर उनकी ड्यूटी गाजियाबाद में लगाई गई थी। बताया गया कि प्रभात बाइक से ड्यूटी के लिए जा रहे थे। इसी दौरान गोविंदपुरी के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

जितेंद्र उर्फ बिट्टू खंजरपुर को रालोद हस्तिनापुर क्षेत्र का क्षेत्रीय सचिव बनाया

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयन्त चौधरी के निर्देश पर क्षेत्रीय अध्यक्ष हस्तिनापुर क्षेत्र तरसपाल मलिक ने जितेंद्र उर्फ बिट्टू खंजरपुर को रालोद का क्षेत्रीय सचिव बनाया है। बिट्टू खंजरपुर को नई जिम्मेदारी पद मिलने पर पार्टी के कार्यकताओं ने उन्हें अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दी है तथा कहा कि पार्टी संगठन को मजबूती मिलेगी । जितेंद्र बिट्टू खंजरपुर ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है उसका वह पूरी ईमानदारी के साथ पालन करते हुए संगठन के कार्य को मजबूती प्रदान करेंगे।

152 करोड़ के बुनकर मार्ट को मिला नया नाम, अब बनेगा 'विश्वकर्मा एक्सपो एवं कन्वेंशन सेंटर'

सीएम योगी का निर्देश, प्रदेशभर के हस्तशिल्प कारीगरों को मिलेगा मंच, एक ही छत के नीचे दिखेगी यूपी की पारंपरिक कला

कपिल चौहान



गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। मधुबन-बापूधाम में करीब 152 करोड़ रुपये की लागत से तैयार बुनकर मार्ट अब ह्यविश्वकर्मा एक्सपो एवं कन्वेंशन सेंटरह्ल के नाम से विकसित होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गाजियाबाद दौरे के दौरान इसके नाम और उपयोग को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस केंद्र का लाभ केवल बुनकरों तक सीमित न रहकर प्रदेशभर के शिल्पकारों, हस्तशिल्प कारीगरों और उद्यमियों को मिलना चाहिए।

करीब 38,340 वर्गमीटर में बने इस परिसर में एक्सपो हॉल, प्रदर्शनी गैलरी, 560 सीटों का ऑडिटोरियम, कन्वेंशन हॉल, फूड कोर्ट और करीब एक हजार कारों की पार्किंग की सुविधा है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभिन्न जिलों के पारंपरिक उत्पादों की बिक्री और प्रदर्शन के लिए अलग-अलग स्थान निर्धारित करने के निर्देश दिए। इससे एक जनपद-एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना को भी बढ़ावा मिलेगा।

केंद्र में चिकनकारी, जरी-जरदोजी, टेराकोटा, कालीन, लकड़ी और धातु के शिल्प सहित विभिन्न कलाओं को मंच मिलेगा। इससे कारीगरों को सीधे खरीदारों और व्यापारियों से जुड़ने का अवसर मिलेगा तथा रोजगार और कारोबार की नई संभावनाएं विकसित होंगी।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और संशोधन कराने का मौका, ऑनलाइन-ऑफलाइन भरें फॉर्म

पात्र मतदाता अपना नाम जरूर जांचें, कोई भी नागरिक मतदान के अधिकार से न रहे वंचितः डीएम

कपिल चौहान



गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। मतदाता सूची को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ के निर्देश पर जनपद में नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। मतदाता सूची में नया नाम जुड़वाने, अपात्र एवं मृतक मतदाताओं के नाम हटवाने और दर्ज विवरण में संशोधन के लिए फॉर्म-6, 7 और 8 भरने की सुविधा ऑनलाइन व ऑफलाइन उपलब्ध है। नए मतदाता के रूप में नाम दर्ज कराने के लिए 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के पात्र नागरिक फॉर्म-6 भर सकते हैं। इसके लिए निर्वाचन आयोग के पोर्टल voters.eci.gov.in पर आवेदन किया जा सकता है। वहीं, मृतक, स्थायी रूप से स्थानांतरित या दोहरे नाम हटवाने के लिए फॉर्म-7 और नाम, पता व अन्य विवरणों में संशोधन, निवास परिवर्तन तथा मतदाता पहचान पत्र बदलवाने के लिए फॉर्म-8 भरा जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन में असमर्थ नागरिक बीएलओ, ईआरओ या एईआरओ कार्यालय से निःशुल्क फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। डीएम ने अपील की कि सभी नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम और विवरण जांचें तथा पात्र लोगों को भी जागरूक करें, ताकि कोई भी मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रहे।

फर्जी खतौनी दिखाकर जमीन का सौदा, 59.10 लाख रुपये हड़पे

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मसूरी थाना क्षेत्र में जमीन बेचने के नाम पर एक व्यक्ति से 59.10 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि जालसाजों ने फर्जी खसरा-खतौनी तैयार कर जमीन पर अपना मालिकाना हक जताया और पीड़ित को विश्वास में लेकर अलग-अलग तारीखों में रकम वसूल ली। बाद में पता चला कि जमीन के असली मालिक कोई और हैं। पीड़ित ने एसीपी मसूरी को शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता फुरकान अली निवासी ग्राम इन्द्रगढ़ी के अनुसार, उन्हें जमीन खरीदनी थी। इस पर उनके रिश्तेदार साबिर अली ने पिपलैड़ा, धौलाना, हापुड़ निवासी शेरू उर्फ शेर मोहम्मद और उसके साथियों से मुलाकात कराई। आरोप है कि आरोपियों ने गाटा संख्या 543 और 747, कुल रकबा 0.4730 की फर्जी खसरा-खतौनी दिखाकर खुद को जमीन का मालिक बताया। दस्तावेजों पर भरोसा करके फुरकान ने जमीन का सौदा तय कर लिया और बयाने तथा आरटीजीएस के माध्यम से अलग-अलग तारीखों में कुल 59.10 लाख रुपये आरोपियों को दे दिए। कुछ समय बाद जब पीड़ित ने जमीन के संबंध में जानकारी जुटाई तो कथित धोखाधड़ी का खुलासा हुआ। उसे पता चला कि जमीन के वास्तविक मालिक और कब्जेदार मोहम्मद तारिक, मिस्वाउर्रहमान और अफजाल अहमद हैं। आरोप है कि शेरू और उसके साथियों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन पर अपना अवैध कब्जा दशार्या और इसी आधार पर रकम हड़प ली।

चुनावी ड्यूटी में लापरवाही पर डीएम सख्त, गैरहाजिर अधिकारियों को थमाए जाएंगे नोटिस

विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को लेकर सेक्टर अधिकारियों को निर्देश, संवेदनशील क्षेत्रों की होगी वल्नरेबिलिटी मैपिंग

कपिल चौहान





गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने सेक्टर अधिकारियों को मतदाता सूची पुनरीक्षण और वल्नरेबिलिटी मैपिंग का कार्य गंभीरता से करने के निर्देश दिए। इस संबंध में आयोजित प्रशिक्षण-सह-ब्रीफिंग बैठक में उन्होंने प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहने और देरी से पहुंचने वाले अधिकारियों के खिलाफ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि सभी सेक्टर अधिकारी अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन कर रास्तों और मूलभूत सुविधाओं की जांच करें। संवेदनशील गांवों और मोहल्लों की पहचान कर पुलिस अधिकारियों के साथ संयुक्त भ्रमण करें। उन्होंने 11 से 12 बीएलओ के कार्यों की नियमित निगरानी करने और पात्र मतदाताओं के फॉर्म-6 भरवाने के निर्देश दिए। साथ ही दैनिक डायरी में निरीक्षण और सत्यापन का विवरण दर्ज करना अनिवार्य किया। डीएम ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और कोई भी पात्र मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित नहीं रहना चाहिए।

क्रॉसिंग रिपब्लिक में अवैध पटाखों के साथ 55 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार



कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। दीपावली के त्योहार से पहले अवैध आतिशबाजी के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर अवैध आतिशबाजी पटाखों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान राजेन्द्र सिंह (55) पुत्र रामप्रसाद निवासी आदर्श कॉलोनी, बिहारीपुरा, थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे 4 नवंबर की रात जल प्लांट गेट के सामने से गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से अवैध आतिशबाजी पटाखे बरामद किए गए हैं। पुलिस ने मामले में थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पर बीएनएस की धारा 287/125 और विस्फोटक अधिनियम 1884 की धारा 9बी(1)(बी) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

लोनी में घर-घर पहुंचेगा मतदाता जागरूकता अभियान, वोटर कार्डों की जांच शुरू





कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। जनपद में मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाने के लिए डोर-टू-डोर मतदाता जागरूकता एवं पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ के निर्देशन में गुरुवार को एसडीएम लोनी एवं ईआरओ दीपक सिंघनवाल ने अपने कार्यालय में मतदाता फोटो पहचान पत्रों (ईपीआईसी) का निरीक्षण किया। इस दौरान पहचान पत्रों पर दर्ज नाम और अन्य विवरणों का एड्रेस स्टीकर से मिलान किया गया।

उन्होंने निर्देश दिए कि पहचान पत्रों के मुद्रण और आपूर्ति से पहले पीडीएफ डाटा एवं एड्रेस स्टीकर का रैंडम सत्यापन किया जाए। वोटर किट में भी सभी विवरणों का मिलान सुनिश्चित हो, ताकि मतदाताओं को त्रुटिरहित पहचान पत्र मिल सकें। उन्होंने बताया कि नए मतदाता फॉर्म-6 के माध्यम से नाम दर्ज करा सकते हैं, जबकि नाम-पता संबंधी गलतियों में निर्धारित प्रपत्र से संशोधन कराया जा सकता है। बीएलओ को घर-घर जाकर पात्र नागरिकों को जागरूक करने और कोई भी पात्र मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मुरादनगर में ट्रांसफॉर्मर चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार



कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। मुरादनगर थाना पुलिस और स्वाट टीम ग्रामीण जोन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए विद्युत ट्रांसफॉर्मर चोरी करने वाले गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई 10 विद्युत ट्रांसफॉर्मर कॉयल, वारदात में इस्तेमाल एक रस्सा, टार्च, दो अवैध चाकू और बोलेरो पिकअप गाड़ी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, गुरुवार को चेकिंग के दौरान रोहित कश्यप, अनुज कश्यप, राहुल कश्यप, नकुल कौशिक, निजामुद्दीन और संजू को गिरफ्तार किया गया।

आरोपी विद्युत ट्रांसफॉर्मर से कॉयल चोरी करने की घटनाओं में शामिल थे। बरामदगी के आधार पर थाना मुरादनगर में बीएनएस की धारा 317(2), 317(5), 3(5) और आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

रोजगार मेले में 38 कंपनियों ने खोले अवसरों के द्वार, 298 युवाओं को किया शॉर्टलिस्ट

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। युवाओं को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन और संस्थान की ओर से आयोजित इस मेले में विभिन्न क्षेत्रों की 38 कंपनियों ने हिस्सा लिया। रोजगार पाने की उम्मीद लेकर पहुंचे 574 युवाओं ने साक्षात्कार दिया, जिनमें से कंपनियों ने 298 विद्यार्थियों को शॉर्टलिस्ट किया। जिला सेवायोजन अधिकारी गौतम घोष ने बताया कि रोजगार मेले का मुख्य उद्देश्य युवाओं और कंपनियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है, ताकि प्रतिभागियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता एवं कौशल के अनुसार रोजगार के अवसर मिल सकें। इस तरह के आयोजन युवाओं को सीधे कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद करने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देते हैं। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए सरकार तथा शिक्षण संस्थानों के संयुक्त प्रयास बेहद जरूरी हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान और कौशल के माध्यम से रोजगार के योग्य बनाना भी है। संस्थान के महासचिव सीए अशोक कुमार सिंघल ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के लिए कौशल विकास, व्यावहारिक ज्ञान और सकारात्मक दृष्टिकोण आवश्यक है। रोजगार मेले जैसे आयोजन युवाओं को अपनी क्षमता पहचानने और बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के अंत में संस्थान की निदेशक डॉ. अलका अग्रवाल ने जिला प्रशासन, जिला सेवायोजन अधिकारी, प्रतिभागी कंपनियों और सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।# इस दौरान

योगी की पदयात्रा में रालोद ने निभाया गठबंधन धर्म, राष्ट्रीय लोकदल के नेताओं और कार्यकताओं ने झंडों के साथ दर्ज कराई उपस्थिति



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गुरुवार को गाजियाबाद आगमन पर राजनगर एक्सटेंशन में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में राष्ट्रीय लोकदल ने भी गठबंधन धर्म निभाते हुए अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई।

रालोद के नेता और कार्यकर्ता पार्टी के झंडों के साथ कार्यक्रम में पहुंचे। पदयात्रा से लेकर मुख्यमंत्री के मंच तक रालोद नेताओं की मौजूदगी ने भाजपा और रालोद गठबंधन की साझेदारी को प्रदर्शित किया। राष्ट्रीय लोकदल के नेताओं ने कहा कि दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकास की दिशा में काम हो रहा है। प्रदेश में भाजपा और राष्ट्रीय लोकदल का गठबंधन है और गठबंधन की जिम्मेदारी निभाते हुए पार्टी पूरी सक्रियता से कार्यक्रम में शामिल हुई। मुख्यमंत्री की पदयात्रा के दौरान रविंद्र चौहान, ओडी त्यागी, जयदीप चौधरी, अभिषेक त्यागी और तुषार कौशिक सहित अन्य नेताओं ने अपनी भागीदारी निभाई। मुख्यमंत्री के मंच पर राष्ट्रीय लोकदल की ओर से राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं अर्बन कमेटी के मेरठ मंडल प्रभारी इंद्रजीत सिंह टीटू, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य तेजपाल चौधरी मौजूद रहे। इनके अलावा महानगर अध्यक्ष रेखा चौधरी और जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

दीपावली मेले में विद्यार्थियों ने सजाए फूड और गेम स्टॉल, कला एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी ने मोहा मन





#वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दीपावली के उल्लास, रचनात्मकता और भारतीय संस्कृति के रंगों से सजा मॉडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज का परिसर गुरुवार को उत्सव के माहौल में नजर आया। आनंद औद्योगिक क्षेत्र, मोहन नगर स्थित महाविद्यालय में सांस्कृतिक एवं सहपाठ्यक्रम समिति के तत्वावधान में भव्य दीपावली मेले 'प्रज्ञान उत्सव-2026' का आयोजन किया गया। मेले में छात्र-छात्राओं ने न केवल अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि खानपान, खेल और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपनी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन क्षमता का भी परिचय दिया। सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक चले इस आयोजन में विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) निशा सिंह और सचिव विनीत गोयल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर दोनों ने सभी विद्यार्थियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। सचिव विनीत गोयल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारना भी है। इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता और टीम भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब विद्यार्थी स्वयं किसी गतिविधि की जिम्मेदारी संभालते हैं तो उन्हें व्यवहारिक अनुभव प्राप्त होता है, जो भविष्य में उनके लिए उपयोगी साबित होता है। प्राचार्या डॉ. निशा सिंह ने कहा कि 'प्रज्ञान उत्सवइ विद्यार्थियों की रचनात्मकता, कलात्मक प्रतिभा और कौशल को अभिव्यक्त करने का एक बेहतर मंच है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच का संचार करते हैं। साथ ही उनमें सामूहिक सहभागिता और आपसी सहयोग की भावना विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों में भागीदारी व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है। मेले में विद्यार्थियों द्वारा तीन गेम स्टॉल और सात फूड स्टॉल लगाए गए। गेम स्टॉल में बैलून पॉप-अप, गेम चेंजर और वीआर बॉक्स विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इन खेलों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मनोरंजन के साथ अपनी खेल भावना का परिचय दिया। वहीं, फूड स्टॉल पर स्वाद के शौकीनों के लिए कई तरह के व्यंजन उपलब्ध रहे। पापड़ी चाट, भेलपुरी, इडली-सांभर, चिप्स चाट, मोमोज, चाउमीन, गोलगप्पे, सेव पूरी, गुलाब जामुन और चोको लावा केक ने मेले की रौनक बढ़ाई। खास बात यह रही कि इन स्टॉल का संचालन विद्यार्थियों ने स्वयं किया। उन्होंने खाद्य सामग्री की व्यवस्था से लेकर ग्राहकों को सेवाएं देने और प्रबंधन तक की जिम्मेदारी संभाली। इससे उन्हें व्यवसाय संचालन, आपसी समन्वय, संवाद और टीम वर्क का व्यावहारिक अनुभव मिला।

कनावनी के किसानों की लड़ाई को मिली कानूनी ताकत, जीडीए की अर्जी खारिज



कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। ग्राम कनावनी में जमीन अधिग्रहण को लेकर चल रही किसानों की लड़ाई में गुरुवार को नया मोड़ आ गया। उच्च न्यायालय ने अवार्ड घोषित करने की समय-सीमा बढ़ाने की जीडीए की अर्जी खारिज कर दी। इससे इंदिरापुरम विस्तार योजना की राह मुश्किल होती नजर आ रही है। हाईकोर्ट के फैसले से किसानों में उम्मीद जगी है कि उनकी जमीन पर उनका अधिकार सुरक्षित रहेगा। वहीं, अपनी मांगों को लेकर किसानों का अनिश्चितकालीन धरना 84वें दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर अशोक कसाना और परवीन नागर ने कहा कि किसान लंबे समय से शांतिपूर्ण तरीके से अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। जीडीए लगातार समय बढ़ाने का प्रयास कर रहा था, लेकिन अदालत ने इसकी अनुमति नहीं दी। किसानों ने मांग की कि न्यायालय के आदेश और कानूनी प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई करते हुए राजस्व अभिलेखों में उनके अधिकार सुरक्षित किए जाएं। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल जमीन नहीं, बल्कि किसानों के सम्मान और भविष्य की भी है। धरने में लिखीराम शर्मा, चतर सिंह नागर, मथन सिंह नागर, श्रीचन्द नागर, विनोद नागर और धनेश्वर शर्मा सहित अन्य किसान मौजूद रहे।